23 जुलाई 2025
बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

इंजेक्शन लगाने के पांच मिनट में बच्ची की मौत, अस्पताल कर्मियों की लापरवाही पर हंगामा

2

प. बंगाल में भाजपा को रोकने के लिए टीएमसी शुरू करेगा भाषा आंदोलन

एजेंसी/कोलकाता

ममता बनर्जी को पश्चिम बंगाल में भाजपा की एंट्री रोकने के लिए ऐसे मामले उछाले जाते हैं, ताकि वो स्थानीय बनाम बाहरी की लड़ाई को चुनावी मुद्दा बना सकें। पहले के चुनावों में भी ये देखा जा चुका है, और अब जबकि पश्चिम बंगाल चुनाव में एक साल से भी कम वक्त रह गया है। ऐसे में ममता बनर्जी ने एक नया तरीका खोजा है। इसमें खास बात यह है कि यह मुद्दा भी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने ही मुहैया कराया है। हाल के दिनों में बांग्ला बोलने वाले लोगों को बांग्लादेशी बताकर बांग्लादेश भेज दिये जाने की घटनाओं से नाराज हैं। असल में, ऐसे कई लोगों को बांग्लादेश से वापस भी बुलाया जा चुका है, जिन्हें पुलिस ने पकड़ कर सीमा पार भिजवा दिया था। ममता बनर्जी का सवाल के साथ आरोप भी कि ऐसा उन राज्यों में ही किया जा रहा है, जहां बीजेपी सत्ता में है।

♦ विधानसभा चुनाव को देखते हुए टीएमसी ने शुरू किया कैंपेन

ममता बनर्जी ने कहा है कि बंगाली बोलने वालों के लिए अब वो भाषा आंदोलन शुरू करेंगी। इसके लिए अब वो ज्यादातर बांग्ला ही बोलेंगी। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी भी ममता बनर्जी के रास्ते ही चलने की घोषणा कर चुके हैं। ये मामला अदालत भी पहुंच चुका है। ऐसे कई पीड़ितों के रिश्तेदारों ने कलकत्ता हाईकोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर चुके हैं। कोलकाता हाईकोर्ट ने बीरभूम जिले के बंगाली प्रवासी परिवार की गिरफ्तारी और निर्वासन के मामले में पश्चिम बंगाल, दिल्ली और केंद्र सरकार से हलफनामा दाखिल करने को कहा है। कोलकाता हाईकोर्ट में पीड़ितों के रिश्तेदारों ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल किया है।

हम सभी भाषाओं के प्यार करते हैं: चुनावी साल में शहीद रैली ममता बनर्जी के लिए बड़ा सियासी मौका होता है। चुनाव से पहले और बाद में ममता बनर्जी रैली में जोर शोर से अपनी बात कहती हैं। बीते दिन भी एक रैली में भी ममता बनर्जी के वैसे ही तेवर देखे गये। ममता बनर्जी ने रैली में आये लोगों से कहा, हम सभी भाषाओं के प्यार करते हैं... चाहे वो हिंदी हो, गुजराती हो, मराठी हो या राजस्थानी भाषा हो। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल के लोगों की स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका निभाने की याद दिलाते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में भी बांग्ला भाषा का इस्तेमाल हुआ... नवजागरण में भी बांग्ला का इस्तेमाल हुआ... पश्चिम बंगाल के लोग जो कर सकते हैं, वो कोई और नहीं कर सकता। जाहिर है, ममता बनर्जी के निशाने पर बीजेपी नेतृत्व ही रहा होगा। वहीं, तृणमूल कांग्रेस नेता ने नया आंदोलन शुरू करने का भी ऐलान कर दिया, अगर जरूरत पड़ी तो बांग्ला भाषा पर बीजेपी के आतंकवाद के खिलाफ दूसरा भाषा आंदोलन शुरू करेंगे... 27 जुलाई से बंगाल में बंगालियों, बांग्ला भाषा पर हमले और भाषा संत्रास के विरोध में एक आंदोलन शुरू होगा।

नालंदा जिले के हरनौत थाने में दारोगा ने खुद को सर्विस रिवॉल्वर से मारी गोली

केटी न्यूज/पटना

बिहार के नालंदा जिले से इस वक्त की बड़ी खबर आ रही है। जहां हरनौत थाने के दारोगा ने अपने सर्विस रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली। हरनौत थाने के सब-इंस्पेक्टर रामपुकर यादव को आनन-फानन में पीएमसीएच ले जाया गया है। जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। इस घटना से हरनौत थाने में हड़कंप मच गया। घटना के कारणों का पता लगाने में पुलिस जुटी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही नालंदा पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया।

एसपी कार्यालय के निर्देश पर सदर डीएसपी-2 संजय कुमार जायसवाल के नेतृत्व में पुलिस की विशेष टीम घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने थाना परिसर को तत्काल सील कर दिया और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी।

सदर डीएसपी संजय जायसवाल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह आत्महत्या की कोशिश का मामला लग रहा है। हालांकि, इस बात का अभी तक पता नहीं चल पाया है कि रामपुकर यादव ने ऐसा कदम क्यों उठाया। मामले की जांच की जा रही है। अधिकारी और परिवार के सदस्यों से पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके। हम हर पहलू की बारीकी से जांच कर रहे हैं।

चंदन मिश्रा हत्याकांड से जुड़े तीन अपराधी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

बिहिया में हुई अपराधियों व पुलिस के बीच मुठभेड़

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना में गत दिनों हुई बहुचर्चित चंदन मिश्रा हत्याकांड मामले में पटना पुलिस ने अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य आरोपी तौसीफ को 72 घंटे की रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

मामले में पटनाा एसएसपी ने बताया कि इस मामले से जुड़े तीन नामजद अपराधी मंगलवार को भोजपुर जिले के बिहिया में एक मुठभेड़ के दौरान पकड़े गए, जिनमें से दो को गोली लगी है। दोनों घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में कई और नाम सामने आ रहे हैं और आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारियां की जाएंगी। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और घटना में शामिल सभी आरोपियों को जल्द सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

कोलकाता से पकड़े जा चुके हैं चार अपराधी: बताते चलें कि पटना के चर्चित गैंगस्टर चंदन मिश्रा की दिनदहाड़े हत्या से जुड़ा मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। यह सनसनीखेज वारदात 17 जुलाई की सुबह पटना के पारस अस्पताल में हुई थी, जब पांच हथियारबंद हमलावर आईसीयू में घुसकर चंदन मिश्रा पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने लगे। हमले में गंभीर रूप से घायल चंदन मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई। चंदन मिश्रा एक हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा था और बवासीर के इलाज के लिए पैरोल पर बाहर आया था। इस दौरान ही उसकी सुनियोजित तरीके से हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड में अब तक पुलिस ने चार आरोपियों को कोलकाता से ट्रांजिट रिमांड पर गिरफ्तार कर पटना लाया है। चारों को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां उनकी पुलिस कस्टडी रिमांड की प्रक्रिया जारी है। वहीं, इस वारदात में शामिल पांचवां शूटर अब भी फरार है।

खगड़िया में 4 बच्चों की मौत पर सीएम परिजनों को देंगे 4-4 लाख रुपये

पटना। खगड़िया में आहर में नहाने के दौरान डूबने से 04 छात्रों की मौत से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मर्माहत हैं। इस घटना पर दुख जताते हुए उन्होंने मृतकों के आश्रितों को 04-04 लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खगड़िया जिले के चौथम थाना क्षेत्र के मलपा गांव में आहर में नहाने के दौरान डूबने से हुई 04 छात्रों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने इस घटना को काफी दुखद बताया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को 04-04 लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

बता दें कि एक ही परिवार के 4 बच्चों की डूबने से मौत हो गयी। चारों आपस में चचेरे भाई बहन थे। कल सोमवार को चारों बच्चे पानी भरे गड्ढे आहर में नहाने गये हुए थे। तभी इसी दौरान चारों गहरे पानी में डूब गये। जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। एसडीआरएफ की टीम लापता बच्चों की तलाश में जुट गयी और आज मंगलवार को काफी मशक्कत के बाद चारों बच्चों के शव को एसडीआरएफ ने बरामद कर लिया। बच्चों का शव मिलने से परिजनों के बीच कोहराम मच गया। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।

मानसून सत्र के दूसरे दिन विपक्ष ने काटा बवाल, राजद विधायकों ने पलटा टेबल

पूरे दिन हंगामों के बीच राज्य सरकार ने कुल छह विधेयकों को कराया पास

♦ विपक्षी विधायक और मार्शल के बीच हुई जबरदस्त धक्का मुक्की

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन दूसरी पाली की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी विधायकों ने एसआईआर के विरोध में वेल में पहुंचकर हंगामा किया। दूसरी पाली की कार्यवाही शुरू होते ही विधायक एसआईआर के खिलाफ वेल में पहुंच गए और स्पीकर के सामने कुर्सी उठा ली। इस दौरान कुछ विधायकों ने टेबल को भी पलट दिया। सदन में मौजूद मार्शल विधायकों को रोकते रहे।

दरअसल, बिहार विधानसभा में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर चर्चा कराने की मांग को लेकर दूसरी पाली का कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने फिर से हंगामा शुरू कर दिया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मांग की कि कार्यमंत्रणा समिति की बैठक बुलाई जाए और वोटर लिस्ट पुनरीक्षण पर बहस हो, जिससे स्पीकर ने सीधे तौर पर इन्कार कर दिया।

स्पीकर ने कहा कि सदन के फर्स्ट हाफ में में विपक्ष के विधायकों को बोलने की इजाजत दी गई थी लेकिन विधायकों ने नहीं बोला। इसके बाद विपक्ष के विधायक वेल में पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान सदन में मौजूद महिला विधायकों ने रिपोर्टिंग टेबल पर कुर्सी उछाली। इस दौरान विपक्ष के विधायकों ने सदन में टेबल को उठाकर पलट दिया। इस दौरान वहां मौजूद मार्शल के साथ उनकी धक्कामुक्की भी हुई। विपक्षी विधायक और मार्शल के बीच हुई जबरदस्त धक्कामुक्की में मार्शल के कपडे तक फट गए। भारी हंगामे के बीच सरकार ने छह विधेयक पास करा लिए। स्पीकर की तरफ से बार-बार चेतावनी देने के बावजूद जब विधायक नहीं मानें तो स्पीकर नंद किशोर यादव ने विधानसभा की कार्यवाही को बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

राजद के मुख्य सचेतक की ओर से कार्य स्थगन प्रस्ताव पेश: बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हैं। इस बीच राजद के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन की ओर से कार्य स्थगन प्रस्ताव पेश किया गया। राजद के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने कार्य स्थगन का प्रस्ताव पेश किया। विधानसभा में महागठबंधन के विधायकों के हस्ताक्षर के साथ यह प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जो विधानसभा सचिव को प्रेषित किया गया। इस्लाम शाहीन के कार्य स्थगन प्रस्ताव के अनुसार, मैं बिहार विधानसभा की प्रक्रिया कार्य संचालन नियमावली के नियम 98 के तहत लोक महत्व के विषय पर कार्य स्थगन की सूचना देता हूं। विदित हो कि कुछ दिन पहले ही राज्य भर में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण का कार्य प्रारंभ कराया गया है। यह पुनरीक्षण का कार्य ऐसे समय शुरू कराया गया है, जब बिहार विधानसभा चुनाव महज एक-दो महीने बाद ही संभावित है। ऐसी स्थिति में यह एक्सरसाइज पूर्णतः अव्यवहारिक है, जिसे इतने कम समय में सही ढंग से नहीं कराया जा सकता। वर्तमान में राज्य के कम से कम 50 प्रतिशत क्षेत्र बाढ़ ग्रसित हैं, जहां आवागमन तक बाधित है।

विपक्ष के ऊपर शनिश्चर ग्रह हावी: सम्राट चौधरी

पटना। बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान विपक्षी दलों ने काला कपड़ा पहनकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस पर बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग ने साफ किया है कि किसी भी गरीब, पिछड़े, दलित या सामान्य वर्ग के नागरिक का नाम मतदाता सूची से नहीं काटा जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक करीब 98 प्रतिशत लोगों ने फॉर्म भरकर पुनः परीक्षण में हिस्सा लिया है। जांच में लगभग 19 लाख मृत मतदाता, 20 लाख बाहर गए नागरिक, और आठ लाख ऐसे वोटर पाए गए जिनके नाम एक से अधिक जगह पर दर्ज हैं। सम्राट चौधरी ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ की जा रही है और 26 तारीख को यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इसके बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होगी, जिसमें सभी राजनीतिक दलों को आपत्ति दर्ज कराने का अधिकार होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, आरजेडी या अन्य विरोधी दल सिर्फ लोगों को गुमराह कर रहे हैं। सम्राट ने पुराने बयानों का हवाला देते हुए कहा कि 1990 में कहा गया था कि बांग्लादेशियों को बाहर करेंगे, ममता बनर्जी ने 2005 में लोकसभा में यही बात कही थी, तो जब आज किशनगंज में 120 प्रतिशत से अधिक आधार कार्ड दिख रहे हैं, तो जांच तो होनी ही चाहिए। विपक्ष द्वारा काले कपड़े पहनने पर कटाक्ष करते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि इनके ऊपर शनिश्चर ग्रह हावी हो गया है, इसलिए ये काला कपड़ा पहनकर घूम रहे हैं।

राज्यों में विस चुनाव के पूर्व भाजपा में चल रहा राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव पर मंथन

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के बाद भारतीय जनता पार्टी के भीतर राजनीतिक गतिविधियां लगातार चल रही हैं। पार्टी के अंदरूनी गलियारों में हलचल है, फैसलों को लेकर बैठकों का दौर जारी है और चर्चाएं जोरों पर हैं। बीजेपी के मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल 2024 के लोकसभा चुनाव तक बढ़ा दिया गया था, लेकिन चुनाव संपन्न होने के बाद भी अब तक नया अध्यक्ष नियुक्त नहीं हुआ है। पार्टी के वरिष्ठ नेता मानते हैं कि बीजेपी एक ऐसा दल है जहां निर्णय तेजी से लिए जाते हैं, लेकिन उससे पहले लंबा मंथन चलता है। यही कारण है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर अब तक अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा और दिल्ली जैसे राज्यों में सांगठनिक चुनावों के बाद ही संभव है।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में भी विस्तार किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि इस बार पार्टी की रणनीति युवा चेहरों को आगे लाने की है।

जनसुराज पार्टी का स्टिकर लगी कार से लूट, दो गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

किशनगंज पुलिस ने बहादुरगंज थाना क्षेत्र के आजाद चौक में रविवार को हुई लूट की घटना का 12 घंटे के अंदर खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि जयंतो बर्मन अपनी टाटा इंट्रा गाड़ी से सब्जी लेकर अररिया जिले के जोकीहाट जा रहे थे।

इसी दौरान जनसुराज पार्टी का स्टीकर लगी सफेद रंग की एक कार में सवार चार लोग सवार थे जिन्होंने उन्हें रोका और मारपीट करने लगे। जयंतो बर्मन से मोबाइल, 600 रुपए नकद और सब्जी लदी गाड़ी को लूट लिया। आग ले जाकर जयंतो बर्मन को गाड़ी से उतार दिया गया था।

घटना की शिकायत पर एसपी सागर कुमार के निर्देश पर एसडीपीओ गौतम कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। जांच में पता चला कि लूट के बाद आरोपियों की अर्टिगा कार मस्तान चौक के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। उस समय कार में कुनैन रेजा, रोशमी खातून, नकीद अनवर और शेखर सिन्हा सवार थे। इनकी निशानदेही पर लूटी गई टाटा इंट्रा गाड़ी को बरामद किया गया है।

इस लूटकांड में एक चौंकाने वाला खुलासा यह सामने आया है कि कुख्यात सेक्सटॉर्शन कांड की आरोपी जेबा खातून भी इस वारदात में शामिल थी। वह पहले से ही जमानत पर बाहर थी। जेबा समेत दो महिलाओं और कुल पांच लोगों का यह गिरोह पहले युवकों को प्रेम जाल में फंसाया जाता, फिर होटल के रूम में बुलाकर उनके साथ अवैध संबंध बनाता था।

चुनाव आयोग का अपडेट, सात लाख लोगों के पास दो स्थानों का वोटर आईडी

राज्य में कुल 51 लाख मतदाताओं के हटाए जाएंगे नाम

केटी न्यूज/पटना

राज्य में जारी एसआईआर को लेकर बड़ी बात सामने आई है। चुनाव आयोग की ओर से आई अपडेट में बताया गया है कि राज्य में 51 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे। चुनाव आयोग के अनुसार एसआईआर में जांच के दौरान वोटर लिस्ट में शामिल 18 लाख मृत मतदाता रिपोर्ट किए गए। जांच में 26 लाख ऐसे मतदाताओं की पहचान की गई है जो बिहार के बाहर या अन्य विधानसभा क्षेत्रों में जा चुके हैं। वहीं, सात लाख लोगों ने दो जगह वोट बनवा रखा है जो कि साफ तौर पर नियमों का उल्लंघन है।

विशेष सारांश पुनरीक्षण में यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं कि एक अगस्त, 2025 को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में सभी पात्र मतदाता शामिल हों। संपूर्ण चुनाव तंत्र, जिसमें लगभग एक लाख बीएलओ, चार लाख स्वयंसेवक और बिहार के सभी 12 प्रमुख राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों की ओर से नियुक्त 1.5 लाख बीएलए शामिल हैं, उन मतदाताओं को खोजने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं जिन्होंने अभी तक अपने गणना प्रपत्र जमा नहीं किए हैं या अपने पते पर नहीं मिले हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और बीएलओ ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें की हैं और उन 21.36 लाख मतदाताओं की विस्तृत सूचियां साझा की हैं जिनके प्रपत्र अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं और साथ ही उन लगभग 52.30 लाख मतदाताओं की भी जो कथित तौर पर मृत हो चुके हैं या स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गए हैं या कई स्थानों पर नामांकित हैं। एसआईआर आदेश के तहत मतदाता सूची में किसी भी प्रकार के अतिरिक्त, विलोपन व सुधार के लिए जनता के किसी भी सदस्य को आपत्ति दर्ज कराने के लिए पूरे एक माहे का समय उपलब्ध होगा।

सरकारी, निजी स्कूलों और मदरसों में बच्चियों को लगेगा एचपीवी का टीका : डीआईओ

- सदर पीएचसी अंतर्गत पांडेयपट्टी मध्य विद्यालय में लगा टीकाकरण सह स्वास्थ्य जांच शिविर

केटी न्यूज/बक्सर

जिले की बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग प्रयासरत है। पहले चरण में सदर अस्पताल में शिविर आयोजित कर सरकारी स्कूल की बच्चियों को ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एचपीवी) टीका लगाया गया। वहीं, अब अधिक से अधिक बच्चियों को टीकाकृत करने के उद्देश्य से पंचायतों में स्थित सरकारी विद्यालयों में शिविर का आयोजन कर बच्चियों को

टीकाकृत किया जाएगा। इसकी शुरूआत मंगलवार को सदर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत पांडेयपट्टी स्थित मध्य विद्यालय में शिविर आयोजित कर की गई। इस दौरान स्कूली बच्चियों को न केवल सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु टीकाकृत किया गया, बल्कि उनकी स्वास्थ्य जांच के साथ उचित परामर्श भी दिया गया। शिविर का उद्घाटन करते हुए जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. विनोद प्रताप सिंह ने स्कूली बच्चियों व शिक्षकों को एचपीवी कैंसर के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, सरकार और स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों के संबंध में भी बताया।

शिक्षा विभाग ने जारी किया है पत्र : डॉ. वीपी सिंह ने बताया कि सरकार ने इस योजना के सफल संचालन के लिए शिक्षा विभाग दिशा निर्देश जारी किए हैं। ताकि, सरकारी स्कूलों में शिविर आयोजित कर बच्चियों को टीकाकृत किया जा सके। इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी को पत्र निर्गत कर इस अभियान को सफल बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि सरकार के अनुसार 9 से 14 आयु वर्ग की बालिकाएं राज्य विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत हैं, जिसके कारण इस टीकाकरण अभियान में शिक्षा विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। निर्धारित आयु वर्ग की सभी बच्चियों के एचपीवी टीकाकरण के सार्वभौमिक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यह आवश्यक है कि संबंधित सभी निजी एवं सरकारी विद्यालयों, मदरसों आदि हेतु टीकाकरण सत्र का आयोजन किया जाए। इसके लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी सभी निजी एवं सरकारी विद्यालयों, मदरसों आदि के प्रधानाध्यापकों व संचालकों को उक्त आयुवर्ग की बालिकाओं के टीकाकरण के लिए जागरूक करने के साथ-साथ टीकाकरण कार्य करवाने में आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे।

एक नोडल शिक्षक व कर्मी को करना है नामित

शिक्षा विभाग के प्राथमिक शिक्षा निदेशालय की निदेशक साहिला ने कहा है कि एचपीवी टीकाकरण के लिए प्रत्येक विद्यालय में टीकाकरण के सफल संचालन हेतु स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित करने के लिये एक नोडल शिक्षक व कर्मी को नामित करना है। साथ ही, टीकाकरण सत्र संचालन के पूर्व संबंधित आयुवर्ग के बालिकाओं के माता-पिता या अभिभावक को इस टीका से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी प्रदान कर उन्हें टीकाकरण करवाने हेतु उत्प्रेरित करना है। इसके अलावा स्वास्थ्य कार्यकताओं की टीम को भीड़ प्रबंधन में भी आवश्यक सहयोग प्रदान करना है। इस दौरान यूनिसेफ एसएमसी कुमुद मिश्रा, डीसीएम हिमांशु सिंह, सदर बीएचएम प्रिंस सिंह, प्रधानाचार्य विक्रमा राम, नोडल शिक्षक रीता कुमारी, सीएचओ श्वेता सिंह, एएनएम किरण कुमारी, गीता कुमारी, आशा कार्यकर्ताएं, डाटा ऑपरेटर एवं टिकाकृत बालिका उपस्थित रही।

एक नजर

युवाओं की सहभागिता से ही समाज में सकारात्मक बदलाव संभव : अपर समाहर्ता

बक्सर। बक्सर समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में मंगलवार को एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें गंगा स्वच्छता, पौधरोपण और आगामी स्वीप कार्यक्रमों को लेकर युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। यह बैठक जिला गंगा समिति के नोडल पदाधिकारी सह वरीय उप समाहर्ता आलोक नारायण वत्स की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में ह्यमाय भारत और रुद्रा टीम जैसे युवाओं के संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। वरीय उप समाहर्ता ने युवाओं से अपील की कि वे गंगा स्वच्छता अभियान, पौधरोपण और पर्यावरणीय गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि युवाओं की सहभागिता से ही समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है और जनहित के कार्यक्रमों को जनआंदोलन का रूप दिया जा सकता है। इस बैठक में जिला परियोजना पदाधिकारी शैलेश कुमार, रुद्रा टीम से अभिराम सुंदर और माय भारत से गणेश कुमार सहित कई युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीएम के गोपनीय में जमें लिपिक के खिलाफ शिकायत

बक्सर। डीएम के गोपनीय शाखा में किसी ने किसी प्रकार से लिपिक पद पर जमें रहने वाले कृष्णदेव चौधरी के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। इस पर संज्ञान लेते हुए पर्यावरण विभाग के सरकार के विशेष सचिव ने डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह को पत्र भेजा गया है। ताकि जांच करते हुए नियमानुसार कार्रवाई हो सके। शशि रंजन सिंह ने सरकार को पत्र भेजा है। जिसमें इस बात का आरोप लगाया गया है कि कृष्णदेव चौधरी डीएम को जिला गोपनीय शाखा में पिछले दस सालों से जमे हुए है। जबकि विभागीय नियमानुसार तीन साल में पोस्टिंग हो जाती है। दलकर दिखावा के लिए यदि स्थानांतरण हो भी जाता है तब उन्हें प्रतिनियुक्ति पर रख लिया जाता है। वह लगातार गुटबाजी कर रहे है। साथ ही अधिकारियों को दिग्भ्रमित करने में माहिर है। यह भी आरोप लगाया गया है कि यह अपने आप को डीएम व अन्य अधिकारियों का नजदीकी बताते है। आम जनता का काम बनाने व फाइल रूकवाले के नाम पर अवैध रूप से वसूली कर रहे है। इन्होंने पद का गलत उपयोग करते हुए अपनी पत्नी मनीषा कुमारी व भाई चंद्रशेखर चौधरी को कार्यपालक सहायक पद पर नौकरी दिलवाने में सफल रहे है। अपनी पत्नी को कलेक्ट्रेट में पदस्थापित कराये है। यह भी आरोप लगाया गया है कि इनकी पत्नी कर्मियों पर धौंस जमाते रहती है। सुबह हाजिरी बनाकर घर चली जाती है। शाम में पुनः आती है। इसका अवलोकन कलेक्ट्रेट में लगे सीसीटीवी कैमरा में देखा जा सकता है। परिवादी शशि रंजन सिंह का कहना है कि इनके विरूद्ध कई बार आवेदन दिया गया है। परंतु अपनी पैरवी के बल पर मामले का दबा देते है। अब यह देखना है कि इस बार मामले की जांच होती है या मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है।

चपरासी भी जमा है गोपनीय में : कुछ दिनों पहले इस बात की खुलासा हुआ था कि हाई स्कूल का चपरासी गिरीश कुमार पिछले कुछ सालों से सदर एसडीओ कार्यालय में स्टोनों के पद पर जमा हुआ है। वहां पर जमकर भ्रष्टाचार कर रहा है। इस बात का साक्ष्य मिलते ही आनन-फानन में उसे सदर कार्यालय से हटाया गया। महज एक सप्ताह के अंदर गिरीश कुमार ने अपने सेटिंग-गेटिंग के बल पर अपनी प्रतिनियुक्ति डीएम के गोपानीय में करा ली। जिस पद के लिए उसकी नियुक्ति हुई थी। वह कार्य नहीं कर रहा है।

डीजे संचालक के गोदाम से चुराए गए उपकरण बरामद

चौसा। चौसा प्रखंड अंतर्गत मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जासो गांव में डीजे संचालक के गोदाम से हुई बड़ी चोरी का पुलिस ने महज दो दिन में खुलासा कर लिया है। इस कड़ी कार्रवाई में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से लाखों रुपये मूल्य के डीजे उपकरण बरामद कर लिए हैं। गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान जासो गांव के ही रोहित पाठक और रामशंकर राम के रूप में हुई है। चौकी प्रभारी गुड्डू चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते रविवार की रात सूबेदार प्रजापति के गोदाम का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने साउंड बॉक्स, मिक्सर, एम्पलीफायर समेत अन्य महंगे डीजे उपकरण चोरी कर लिए थे। घटना के समय सूबेदार का पूरा परिवार घर में सो रहा था। सुबह उठने पर गोदाम का ताला टूटा और सामान गायब मिला, जिसके बाद पीड़ित ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। प्राथमिकी दर्ज होते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की और संभावित आरोपियों की तलाश में जुट गई। इसी क्रम में गुप्त सूचना मिली कि कुछ युवक चोरी गए उपकरणों को बेचने की कोशिश में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के घर पर छापेमारी की और उन्हें धर-दबोचा। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और बताया कि वे चोरी के उपकरणों को जल्द ही बाहर बेचने की योजना बना रहे थे।

एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाया गया, तो उसके तुरंत बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी, इलाज के लिए समय पर नहीं पहुंचे डॉक्टर

इंजेक्शन लगने के पांच मिनट में बच्ची की मौत अस्पताल कर्मियों की लापरवाही पर हंगामा

- बक्सर सदर अस्पताल की है घटना, स्थिति नियंत्रित करने पहुंची चार थानों की पुलिस टीम
- स्थिति बेकाबू होते देख ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर और अस्पतालकर्मी अस्पताल छोड़कर भाग निकले

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर सदर अस्पताल में मंगलवार को इलाज के नाम पर लापरवाही की सारी हदें पार हो गईं। महज सात साल की मासूम बच्ची की मौत एक साधारण इंजेक्शन लगने के महज पांच मिनट के भीतर हो गई। आरोप है कि कुत्ते के काटने के बाद बच्ची को जब एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाया गया, तो उसके तुरंत बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। स्थिति बेकाबू होते देख ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर और अस्पतालकर्मी अस्पताल छोड़कर भाग निकले। घटना के बाद पूरे सदर अस्पताल में अफरातफरी मच गई। बच्ची के शव को देख परिजन बेसुध हो गए। मृतका की पहचान वरूणा गांव निवासी प्रदीप कुमार की पुत्री संजना के रूप में हुई है। संजना अपनी जुड़वा बहन और छोटे भाई के साथ घर पर थी। पिता विदेश में कार्यरत हैं।

कुरकुरे लेने निकली थी, कुत्ते ने काटा

मंगलवार दोपहर संजना कुरकुरे लेने के लिए घर के पास की दुकान गई थी, तभी एक आवारा कुत्ते ने उसके पैर में काट लिया। परिजन तुरंत उसे लेकर सदर अस्पताल पहुंचे। समय दोपहर दो बजे के बाद का था, इसलिए उसे इमरजेंसी वार्ड में दिखाया गया। नर्स ने बिना किसी विशेष जांच के एंटी-रेबीज इंजेक्शन दे दिया।

प्यास बढ़ी, फिर अचानक आंखें तनीं और मौत : संजना की मां ने बताया कि इंजेक्शन लगने के कुछ ही मिनटों के भीतर बच्ची को बार-बार प्यास लगने लगी। मां को लगा कि दवा की गर्मी से ऐसा हो रहा है। पर बच्ची की हालत तेजी से बिगड़ने लगी। उसकी आंखें अचानक उलट गईं और वह अचेत हो गई। परिजन मदद के लिए चिल्लाते रहे, लेकिन कोई डॉक्टर या नर्स समय पर नहीं आया। कुछ देर बाद नर्स आई और बच्ची को एक दूसरी जगह शिफ्ट किया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल छोड़कर भागे डॉक्टर व कर्मचारी जैसे ही बच्ची की मौत की खबर फैली, ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर और कर्मी अस्पताल छोड़कर भाग निकले। डॉ. सुमित मिश्रा, जो इमरजेंसी ड्यूटी पर थे, उनका कोई अता-पता नहीं चला। बाद में पता चला कि वे छत पर छिपे हुए थे। चार थानों की पुलिस को मौके पर बुलाया गया, तब जाकर स्थिति नियंत्रण में आई।

इसी समय दो लोगों को काटा था कुत्ते ने

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि उसी समय एक और व्यक्ति को भी कुत्ते ने काटा था, जिसे एक निजी अस्पताल में ले जाया गया और वह अब स्वस्थ है। पर संजना को सरकारी अस्पताल लाने पर जान से हाथ धोना पड़ा। वहीं आक्रोशितों का कहना था कि यहां के डॉक्टर निजी अस्पताल में बेहतर इलाज करते है। परंतु जब वह लोग सदर अस्पताल में आ जाते है। तब ठीक से मरीजों को नहीं देखते है और उनका इलाज नहीं करते है। जबकि सरकार की ओर से उन्हें वेतन के रूप में मोटी रकम मिलती है। अन्य सुविधाएं मिलती है। यहां तक अपने निजी क्लीनिकों में इस बात का वह लोग जिक्र करते है कि सदर अस्पताल में उनकी पोस्टिंग है। यहां ठीक से काम नहीं करना है। तब यहां से नौकरी छोड़ दें।

सीसीटीवी फुटेज से होगी सच्चाई सामने: मामले में नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि बच्ची को जो इंजेक्शन दिया गया, उसकी शीशी, पर्ची आदि जब्त कर ली गई है। पोस्टमार्टम के बाद मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जाएगा ताकि यह पता चल सके कि इंजेक्शन किसने दिया और किसकी मौजूदगी में यह सब हुआ।

सीएस ने हादसे को बताया दुर्घटना : सिविल सर्जन डॉ. शिव कुमार प्रसाद चक्रवर्ती ने बताया कि मामला संज्ञान में है, जांच कराई जाएगी। यदि परिजन मांग करेंगे तो मेडिकल बोर्ड का गठन किया जाएगा। हालांकि उन्होंने इस मामले को लापरवाही नहीं बल्कि एक 'दुर्घटना' बताया है। यह घटना एक बार फिर सरकारी अस्पतालों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़ा करती है। जब छोटी-सी जान की रक्षा तक की गारंटी नहीं है, तब आमजन इन अस्पतालों पर भरोसा कैसे करे।

मठिला में दरवाजे पर सो रहे वृद्ध पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला, स्थिति चिंताजनक, पटना रेफर

- सोमवार की रात करीब 10.30 बजे की है घटना, गांव में हो रही है कई तरह की चर्चाएं

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय थाना क्षेत्र के मठिला गांव में दरवाजे पर सो रहे 65 वर्षीय एक वृद्ध पर अज्ञात हमलावर ने धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में वृद्ध का पेट फट गया तथा उसकी आंत बाहर आ गई थी। घटना रात 10.30 बजे की है। खून से लथपथ स्थिति में उसके स्वजन तथा ग्रामीण उसे इलाज के लिए लेकर डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे तथा कोरान सराय थाने को इस घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस रात में ही मौके पर पहुंच गई।

इधर अनुमंडलीय अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद उसकी चिंताजनक स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। इसके बाद परिवार वाले उसे बेहतर इलाज के लिए लेकर पटना चले गए। जख्मी की पहचान आदित्य यादव पिता स्व. केदार यादव के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की रात वह खाना खाकर दरवाजे पर सो रहा था। करीब 10.30 बजे सोए अवस्था में किसी ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो कराहने लगा। उसके कराहने की आवाज सुन घरवाले दौड़ेभागे बाहर निकले, तबतक हमला करने वाला अंधेरे का फायदा उठा भागने में सफल रहा।

इस घटना को ले पीड़ित पक्ष में गहरा आक्रोश है। वहीं, गांव में कई तरह की चर्चाएं हो रही है।

समाचार लिखे जाने तक पीड़ित पक्ष द्वारा इस मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं करवाया गया है।

कोरान सराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि अभी तक पीड़ित पक्ष ने आवेदन नहीं दिया है। वैसे पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि हमला करने वाले अपराधी को जल्दी ही पकड़ लिया जाएगा। इसके लिए विशेष अभियान चल रहा है।

रघुनाथपुर में श्रावण की दूसरी सोमवारी पर गूंजा हर-हर महादेव

केटी न्यूज/डुमरांव

श्रावण मास की दूसरी सोमवारी को रघुनाथपुर शिवभक्ति में पूरी तरह रमा रहा। यहां के प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर और तुलसी सरोवर घाट पर हजारों शिवभक्तों की उपस्थिति में भव्य गंगा महाआरती का आयोजन हुआ, जिसने पूरे क्षेत्र को दिव्यता और श्रद्धा से सराबोर कर दिया। तुलसी स्थान स्थित महाकालेश्वर मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। शिवभक्तों ने जलाभिषेक कर भगवान महाकाल की आराधना की। मंदिर परिसर शिवनाम के जयघोष और भक्तिमय वातावरण से गूंजता रहा। दिनभर पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक और भस्म आरती की गई, जो शिवभक्ति की अनूठी परंपरा मानी जाती है।शाम को तुलसी सरोवर के तट पर काशी के दशाश्वमेध घाट की तर्ज पर गंगा महाआरती का आयोजन हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जैसे ही आरती शुरू हुई, वातावरण शंखनाद, घंटियों की ध्वनि और हर हर महादेव के नारों से गुंजायमान हो गया। इस आयोजन का नेतृत्व विद्वान अर्चक राजू मिश्रा, गोपी मिश्रा और विकास मिश्रा ने किया। आयोजन की सफलता में मंदिर समिति के सदस्य मदन चौधरी, संतोष सिंह, शैलेश ओझा, संतोष गुप्ता और स्थानीय युवाओं की अहम भूमिका रही।

कतिकनार नहर पुल पर रोका गया पानी

केसठ। डुमरांव राजवाहा नहर की पानी आपूर्ति में एक बड़ी बाधा मंगलवार को तब दूर हुई जब नहर विभाग के अधिकारियों ने कतिकनार नहर पुल पर डाली गई पेड़ों की टहनियों को हटवाया। स्थानीय किसानों ने फाल और पुल पर टहनियां डालकर पानी को रोक दिया गया था, जिससे नहर के निचले हिस्सों केसठ, बैजनाथ पुर, सिद्धिपुर, कुलमनपुर और रामपुर के किसानों को धान की रोपाई में भारी परेशानी हो रही थी।

2018 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया था उद्घाटन, वर्षों से अनुपयोगी व खाली पड़ा है भवन

सरकारी उपेक्षा की भेंट चढ़ा बालसुधार गृह, कर्मनाशा के दबाव से ढही चारदीवारी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले के बनारपुर गांव में कर्मनाशा नदी की बाढ़ के कारण मंगलवार को बाल सुधार गृह की चारदीवारी भरभरा कर गिर गई। यह घटना ऐसे समय में हुई जब परिसर में कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। लेकिन इस घटना ने वर्षों से बंद पड़े इस भवन की उपेक्षा और सरकारी लापरवाही को एक बार फिर उजागर कर दिया है। जानकारी के अनुसार, जिस बाल सुधार सह पर्यवेक्षण गृह की दीवार ढही है, उसका निर्माण कार्य वर्ष 2016 में शुरू हुआ था

और 2018 में इसका उद्घाटन स्वयं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया था। इसके बावजूद, यह भवन आज तक किसी भी उपयोग में नहीं लाया गया है। प्रशासनिक स्तर पर सहमति नहीं बनने और तकनीकी खामियों के चलते यह परिसर वर्षों से खाली और अनुपयोगी पड़ा हुआ है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एक बार जिला न्यायिक पदाधिकारी द्वारा इसका निरीक्षण भी किया गया था, लेकिन सुरक्षा कारणों और मुख्यालय से दूर होने की वजह से इसे अनुपयुक्त मानते हुए खारिज कर दिया गया। इसके अलावा, निर्माण विभाग द्वारा तैयार की गई यह संरचना अब तक किसी भी विभाग को हस्तांतरित नहीं की गई है, जिससे इसका विधिवत संचालन आरंभ नहीं हो सका। गौरतलब है कि जिस चारदीवारी की बात हो रही है, वह लंबे समय से एक ओर झुकी हुई थी। स्थानीय लोगों ने कई बार इसकी स्थिति को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। हाल में कर्मनाशा नदी का जलस्तर बढ़ने से पानी का दबाव बढ़ा और दीवार ढह गई। ग्रामीणों का कहना है कि यह भवन वर्षों से अनुपयोगी पड़ा है और इसकी देखरेख नहीं होने से लाखों की लागत से बनी सरकारी संपत्ति अब क्षतिग्रस्त हो रही है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब यह भवन उपयोग में नहीं था, तब भी इसकी मरम्मत और रख-रखाव क्यों नहीं की गई। इस उपेक्षा ने न केवल सरकारी राशि को बर्बाद किया है, बल्कि अब आस-पास की अन्य संरचनाओं पर भी खतरा मंडराने लगा है क्योंकि नदी का पानी लगातार क्षेत्र में फैल रहा है। सरकार इस पर तुरंत संज्ञान ले और इस भवन की मरम्मत कराकर इसे किसी उपयोगी कार्य में लगाए। यदि बाल सुधार गृह के रूप में इसका उपयोग संभव नहीं है, तो इसे किसी अन्य सरकारी सेवा या सार्वजनिक कार्य में लगाया जाना चाहिए, ताकि वर्षों से खड़ी यह संरचना सिर्फ दीमक का अड्डा न बनकर लोगों के काम आ सके।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरांव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ में आकाशीय बिजली गिरने से युवक की मौत:नारायणखोर गांव जाते वक्त हुआ हादसा, खेत में हुआ वज्रपात

पाकुड़ , एजेंसी। पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र में सोमवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान पाकुड़ प्रखंड के कुमारपुर निवासी हबीबुर रहमान (22) के रूप में हुई। वह स्वर्गीय सलीम शेख का इकलौता पुत्र था और दवा का कारोबार करता था।घटना सिद्धार्थनगर मोहल्ले के पास स्थित एक खेत में हुई। हबीबुर व्यवसाय के सिलसिले में नारायणखोर गांव जा रहा था। रास्ते में उसने टॉयलेट के लिए बाइक रोकी। इसी दौरान आकाश में जोरदार बिजली चमकी और वह उसकी चपेट में आ गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।स्थानीय लोगों ने नगर थाने को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। कुछ लोगों ने शव का फोटो सोशल मीडिया पर साझा किया। इससे मृतक की पहचान हुई और परिजनों मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को सोना जोड़ी सदर अस्पताल भेज दिया।

कोडरमा में बड़ी मात्रा अवैध शराब बरामद, 3 गिरफ्तार

कोडरमा , एजेंसी। कोडरमा पुलिस ने डोमचांच थाना क्षेत्र के महेशपुर चौक के पास गुप्त सूचना पर वाहन चेकिंग के दौरान कार में करीब 58 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब जब्त किया है. मामले में 3 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया है.पुलिस अधीक्षक कोडरमा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर डोमचांच थाना के रास्ते वाहन में चोरी छिपे अवैध शराब को कार में सीट के नीचे छुपाकर बिहार की ओर व्यापार के लिए परिवहन किए जाने की सूचना पर एसपी ने डोमचांच थाना प्रभारी ओमप्रकाश के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महेशपुर चौक के पास सघन वाहन चेकिंग शुरु किया. इस दौरान स्विफ्ट कार में से अवैध अंग्रेजी शराब लगभग 58 लीटर बरामद किया गया तथा अवैध शराब को परिवहन करने वाले तीन अभियुक्तों को पकड़ा है. सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया है. बिहार चुनाव को लेकर सीमावर्ती इलाका कोडरमा के रास्ते भारी मात्रा में शराब की तस्करी हर रोज की जा रही है. इधर कोडरमा पुलिस भी बिहार चुनाव को देखते हुए एक्शन मोड में हैं और लगातार छापेमारी की जा रही है.

सफाई के दौरान चलानी किला से मिला शिवलिंग, 300 वर्ष पराना होने का दावा

मेदिनीनगर (पलामू), एजेंसी। आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा व राजा मेदिनीराय तीरंदाज एकेडमी के द्वारा चलानी किला शाहपुर के सफाई के दौरान झाड़ी में एक शिवलिंग मिला है। मोर्चा ने इसे 300 वर्ष पुराने ष्द्धद्दह्न॰राजवंश की धरोहर होने का दावा करते हुए झंडा स्थापित कर विधि विधान से पूजा पाठ आरंभ कर दिया।मोर्च के सतीश कुमार ने बताया कि पौराणिक कथाओं में ज्ञात होता है कि राजा मेदिनीराय के अनुज भ्राता राजा चूड़ामन राय (शासनकाल 1784 ई से 1813) के काल मे ही मंदिर बना था ।वर्तमान में काल खंड में मंदिर केवल अस्तित्व बचा है। यह चेरो वंश की ऐतिहासिक सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। इधर, श्रावण मास के दूसरी सोमवारी को शिवलिंग मिलने के बाद चेरो वंश के पुरोहित शंखनाथ सिंह चेरो ने उक्त पूजा अर्चना कर 300 साल के पुरातत्व को पुनर्जीवित करने की शुरुआत की।पूजा कार्यक्रम में सतीश कुमार, दाऊद केरकेट्टा, राजू कुमार प्रजापति, धर्मेंद्र चन्द्रवंशी, कलावती देवी, पुनिया टोपनो, बसंत हेमरम, प्रशिक्षक शिहान संतोष कुमार, संतन कुमार, आयुष कश्यप व अन्य स्थानीय महिला– पुरुष शामिल हुए। सतीश कुमार ने बताया कि इस ऐतिहासिक बिरासत को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

झारखंड कांग्रेस में सबकुछ ठीक! प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कर दिया क्लियर

रांची, एजेंसी। झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी की एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि भाजपा इंटरनेट मीडिया के जरिए महागठबंधन में फूट डालने की कोशिश कर रही है, जो सफल नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस के सभी विधायक और सांसद हर मुद्दे पर एकमत हैं और महागठबंधन की सरकार युवा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मजबूती से जनहित के कार्यों को लागू कर रही है।कमलेश ने हाल की भ्रामक खबरों का खंडन करते हुए कहा कि ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने अपने क्षेत्र में जलसंकट का समाधान कराया, न कि धरना दिया, जैसा कि दुष्प्रचार किया गया। इसी तरह, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के पुत्र कृष अंसारी का अस्पताल दौरा निजी था और इसे राजनीतिक रंग देना गलत है।साथ ही, विधायक राजेश कच्छप के स्मार्ट सिटी म्यूटेशन मामले को भी गलत तरीके से पेश किया गया। कमलेश ने कहा कि ऐसे दुष्प्रचार विधायिका और कार्यपालिका के बीच भ्रांति फैलाने की साजिश हैं।उन्होंने एचईसी की खाली पड़ी जमीन का मुद्दा भी उठाया, जिसका अधिग्रहण हुआ, लेकिन उपयोग नहीं हुआ।

मंईयां सम्मान योजना में एसआईटी को साइबर ठगी का अंदेशा,

जांच करने बंगाल और बिहार गई एसआईटी टीम का हुआ विरोध

गालूडीह, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला प्रखंड अंतर्गत हेंदलजुड़ी पंचायत में हुए मंईयां सम्मान योजना के फर्जीवाड़ा जांच के लिए पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिला अंतर्गत भोरकुला गंज थाना क्षेत्र के दासपाड़ा गांव के चोपड़ा टोला व बिहार के जीरण गच्छ गांव में गई एसआईटी टीम को ग्रामीणों के भी विरोध का सामना करना पड़ा।

बिहार से मिली जानकारी के अनुसार किशनगंज जिला के पोआखाली थाना व ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के बरचोंदी पंचायत में एसआईटी टीम को लगभग 2-3 घंटा लोगों का आक्रोश झेलना पड़ा। फिर भी एसआईटी टीम ने पूरे मामले की गहन जांच पड़ताल की।

विरोध के चलते एसआईटी टीम को बहुत ज्यादा सफलता हासिल नहीं हुई। अबतक प्रारंभिक जांच में ये स्पष्ट तौर पर साइबर क्राइम से जुड़ा मामला लग रहा।

सूत्रों के अनुसार जांच में पता चला की घाटशिला प्रखंड के बीडीओ व

पंचायत सचिव के लॉगिन आईडी कर्मचारी के ग्रुप में डालने के कारण साइबर ठग ने हैक कर लिया। हालांकि, आफिशियल ग्रुप से लॉगिन आईडी साइबर ठग के हाथों तक कैसे पहुंचा ये अब तक क्लियर नहीं हो पाया।

बंगाल व बिहार में गई दो अलग अलग टीम ने संबंधित क्षेत्र में कस्टमर सर्विस प्वाइंट (सीएसपी) संचालक से पूछताछ की। जहां से मंईयां सम्मान योजना का आवेदन ऑनलाइन करने की बात सामने आई। इधर ग्राहक सेवा केंद्र में पुलिस दबिश के बाद दूसरे ग्राहक सेवा केंद्र के संचालकों ने बंद कर गायब हो गए।

लेकिन दोनों राज्यों से ही सीएसपी संचालक को पुलिस झारखंड नहीं ले आ सकी। बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर में दासपाड़ा के चोपड़ा टोला के शेखबस्ती में दो लोग के नाम का सत्यापन किया। जिन्होंने मंईयां सम्मान योजना के तीनों किस्त का उठाव किया।

बंगाल में कई मुस्लिम बहुल इलाकों में जांच में परेशानी आई। ऐसे में वहां पहुंचकर पुलिस बिना बंगाल पुलिस के पूर्ण सहयोग के सही तरीके से जांच नहीं कर पाई। कठिनाइयों को झेलते हुए एसआईटी टीम ने कई सबूत जुटाए। जिससे मामले के जल्द उद्भेदन की संभावना हैं।

मास्टरमाइंड को पकड़ने में जुटी टीम

अबतक एसआईटी टीम मास्टरमाइंड तक पहुंच नहीं पाई। ये बातें भी सामने आई की कई भोले-भाले खाताधारियों के अकाउंट में ये राशि साइबर ठग के द्वारा लिया गया। जिन्हें राशि आने तक की भनक नहीं है। टीम प्रारंभिक जांच कर झारखंड लौट आई।

वरीय अधिकारियों को रिपोर्ट प्रेषित करने के बाद ये टीम दोबारा बंगाल व बिहार मंईयां सम्मान योजना के फर्जीवाड़ा के जांच में जा सकती है। इस संबंध एसडीपीओ अजीत कुजूर ने बताया कि मामले पर जांच जारी है। बताने लायक कुछ नहीं है। जांच पूरा होने पर स्पष्ट बताया जाएगा।

ओडिशा से देवघर जा रहे श्रद्धालुओं की कार दुर्घटनाग्रस्त चालक की मौत, 3 गंभीर रूप से घायल

जमशेदपुर , एजेंसी। चांडिल-पुरुलिया राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 32 पर मंगलवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। यह हादसा पितकी गांव के पास उस समय हुआ जब एक कार और ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार तीन अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी लोग ओडिशा से झारखंड के देवघर स्थित बाबाधाम मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे।

बैद्यनाथ धाम की यात्रा पर निकले थे सभी : मृतक की पहचान ओडिशा के बरगढ़ जिले के बरबली थाना क्षेत्र निवासी संजय मिहिर (38) के रूप में हुई है। वहीं, घायलों में संजीव साहू (38), रोहित मिहिर (45) और राजीव महाकुड (44) शामिल हैं। ये सभी श्रद्धालु एक साथ बाबा बैद्यनाथ धाम की यात्रा पर निकले थे।

हादसा सुबह करीब 5 बजे हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही चांडिल और

नीमडीह थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकालकर चांडिल अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया।

बेहतर इलाज के लिए एमजीएम किया रेफर : चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर स्थित महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं, मृतक संजय मिहिर के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आ रही है कि कार बेकाबू होकर दूसरी लेन में चली गई, जिससे यह आमने-सामने की टक्कर हुई। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

डायन का आरोप लगा महिला को ब्लेड से से किया हमला, एक गिरफ्तार

हजारीबाग , एजेंसी। हजारीबाग में डायन का आरोप लगा एक विधवा महिला को काफी प्रताड़ित किया गया। उसे निर्वस्त्र करके पीटा गया और शरीर के कई हिस्सों में ब्लेड से काटा गया। आरोपियों ने गयाजी के प्रेतशिला ले जाकर महिला का सिर भी मुंडवाया। घटना बरही थाना क्षेत्र के जबरिया गांव की है। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने सोमवार को एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पीड़िता ने रविवार की रात बरही थाने में आवेदन देकर इससे संबंधित शिकायत दर्ज कराई थी।

घर में घुस महिला के साथ की गई मारपीट : बरही थाना को दिए गए आवेदन के अनुसार, गांव के ही सात लोग शुक्रवार की रात महिला के घर में घुसे और उस पर डायन का आरोप लगा उसे निर्वस्त्र कर दिया। इसके बाद महिला के साथ मारपीट की गई। उसके शरीर के विभिन्न हिस्से को ब्लेड से काट कर खून निकला गया।

महिला से 80 हजार रुपए की मांग की गई : पीड़िता के अनुसार, सातों आरोपी उसके रिश्तेदार हैं। बर्बरता का यह

दौर रात 10 बजे से शनिवार की सुबह लगभग 3 बजे बजे तक चला। आरोपियों ने गयाजी स्थित प्रेतशिला ले जाकर विधवा महिला का सिर मुड़वा कर उसके साथ दोबारा मारपीट की। इसके अलावा पीड़िता से 80 हजार रुपए की मांग की गई। शनिवार की रात लगभग 10 बजे उसे बरही बाजार में लाकर छोड़ दिया गया, जिसके बाद विधवा महिला अपने घर पहुंची। इसके बाद अपने बेटे के साथ विधवा महिला ने थाने में जाकर आरोपियों के खिलाफ आवेदन दिया।आभाष कुमार, बरही थाना प्रभारी ने कहा कि पूरे मामले में जांच जारी है। किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। एक आरोपी शंभू यादव को पकड़ कर जेल भेज दिया गया है।

देवघर में स्कूल बस ने स्कूटी को मारी टक्कर, बेटे को छोड़ने जा रहे पिता की मौत

देवघर , एजेंसी। देवघर के बंपास टाउन में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। संत जेवियर्स स्कूल की बस ने स्कूटी सवार पिता-पुत्र को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 37 वर्षीय सिविल इंजीनियर आलोक सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। उनका चार साल का बेटा अर्पण आनंद घायल हो गया है। पिता बेटे को स्कूल छोड़ने जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, स्कूल बस की रफ्तार काफी तेज थी। उसे एक नाबालिग चला रहा था। उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं था। हादसे के बाद दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत सदर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने आलोक सिंह को मृत घोषित कर दिया, जबकि अर्पण का इलाज जारी है।

बेटे को स्कूटी से स्कूल छोड़ने निकले थे आलोक : मृतक देवघर के करनीबाद मोहल्ले के रहने वाले थे। वह पेशे से सिविल इंजीनियर थे। रोज की तरह मंगलवार सुबह भी वे बेटे को स्कूटी से स्कूल छोड़ने निकले थे। स्कूल के पास ही पीछे से आई बस ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए। दोनों पिता-पुत्र सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे के बाद घटनास्थल पर भारी भीड़ जुट गई। गुस्साए लोगों ने स्कूल बस में तोड़फोड़ की और चालक को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि हादसे में कुछ टोटो सवार भी घायल हुए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया।

स्थानीय लोगों में घटना के बाद नाराजगी : स्थानीय लोगों ने हादसे को लापरवाही का नतीजा बताया है। उनका कहना है कि स्कूल प्रशासन नियमों की खुलेआम अनदेखी कर रहा है। नाबालिग चालक को बस सौंपना बच्चों की जान के साथ खिलवाड़ है। लोगों ने शहर के सभी निजी स्कूलों की बसों की जांच की मांग की है। उन्होंने स्कूल बसों की फिटनेस, चालकों के लाइसेंस और अन्य दस्तावेजों की भी जांच कराने की मांग की है।

पुलिस ने दर्ज किया मामला, बस जब्त : पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बस को जब्त कर लिया गया है। चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि बस किस एजेंसी की थी और स्कूल प्रबंधन की उसमें क्या भूमिका है।

देश का पहला खनन पर्यटन 5 अगस्त से झारखंड में होगा शुरू, कोयला खदानों का अनुभव प्रत्यक्ष रूप से कर सकेंगे पर्यटक

रांची , एजेंसी। झारखंड देश का पहला राज्य बनने जा रहा है, जहां खनन पर्यटन (माइनिंग टूरिज्म) की शुरुआत की जा रही है। यह ऐतिहासिक पहल 5 अगस्त से शुरू होगी। झारखंड पर्यटन विकास निगम (जेटीडीसी) और सीसीएल (सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड) के बीच सोमवार को हुए एमओयू के साथ इसकी आधारशिला रखी गई।

इस समझौते के तहत माइनिंग टूरिज्म की शुरुआत हजारीबाग के नॉर्थ उरीमारी माइंस से होगी। पर्यटन के इस अनूठे अनुभव का लाभ 12 वर्ष से अधिक उम्र के लोग ले सकेंगे। शुरुआत में दो टूर पैकेज तैयार किए गए हैं, जिनमें पर्यटकों को खदान के भीतर जाकर कोयला खनन की प्रक्रिया दिखाने के साथ-साथ आसपास के प्रमुख दर्शनीय स्थलों की सैर कराई जाएगी।

पांच वर्षों के लिए समझौता : जेटीडीसी-सीसीएल के बीच यह समझौता फिलहाल पांच वर्षों के लिए किया गया है। इसे बाद में और पांच वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकता है। जेटीडीसी प्रचार-प्रसार करेगा, जबकि सीसीएल साइट, सुरक्षा, गाइड और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

टूर से जुड़े जरूरी तथ्य : माइनिंग टूर फिलहाल उत्तर उरीमारी माइंस से शुरू होगा, बाद में अन्य माइंस जुड़ेंगे। ऑनलाइन बुकिंग जेटीडीसी की वेबसाइट से की जा सकेगी। सप्ताह में दो दिन बुधवार और शुक्रवार को पर्यटन की सुविधा उपलब्ध होगी। 6एक ग्रुप में 10 से 20 पर्यटक तक जा सकेंगे।

अभी ये दो टूर पैकेज तैयार किए गए, बाद में होगा विस्तार : पतरातू रूट– 2500 में रोमांच और खानपान : इस पैकेज में पर्यटक बिरसा विहार होटल, रांची से रवाना होंगे। पतरातू घाटी की सैर करेंगे, पर्यटन विहार होटल में भोजन करेंगे और फिर नॉर्थ उरीमारी माइंस के भीतर जाकर खनन गतिविधियां देखेंगे। इसमें चाय और जलपान की सुविधा भी होगी। पूरे टूर की सुरक्षा सीसीएल की जिम्मेदारी होगी।

रजरप्पा दर्शन के साथ माइंस विजिट 2800 में : इस रूट में पर्यटक पहले रजरप्पा मंदिर जाएंगे, छिन्नमस्तिका माता का दर्शन करेंगे और वहां से पतरातू होते हुए नॉर्थ उरीमारी माइंस जाएंगे। यह पूरा पैकेज धार्मिक, प्राकृतिक और औद्योगिक पर्यटन का मिला-जुला अनुभव देगा।

पलामू में मंदिर से लौट रही महिला से लूट:चार बदमाशों ने केमिकल सुंघाकर की वारदात

पलामू , एजेंसी। पलामू के शहर थाना क्षेत्र में पुलिस लाइन रोड स्थित मेजर मोड़ पर सोमवार सुबह एक बुजुर्ग महिला से जेवर लूट की वारदात सामने आई है। शिव मंदिर से पूजा कर लौट रही महिला को चार बदमाशों ने निशाना बनाया। घटना सुबह 8:30 बजे की है। दो बाइक सवार और दो पैदल युवकों ने महिला का पीछा किया। सुनसान गली में एक युवक ने होम्योपैथिक दवा दुकान का पता पूछा। उसने खुद को वृंदावन से बताया। इसी दौरान अन्य बदमाशों ने महिला का मुंह और गला दबाकर केमिकल सुंघा दिया।महिला के बेहोश होने पर बदमाश उसके गले की चेन, हाथ की दो अंगूठियां और कान की बालियां लेकर फरार हो गए। सभी जेवर सोने के थे, जिनकी कीमत लगभग तीन लाख रुपए है।

होश आने पर पीड़िता किसी तरह रिफ्यूजी कॉलोनी स्थित अपने घर पहुंची। उनके बेटे अरविंद तिवारी ने बताया कि वह सुबह 8 बजे अपनी मां को स्कूटी से मंदिर छोड़कर आए थे। मां ने पैदल लौटने की बात कही थी। पीड़ित परिवार ने शहर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार के अनुसार, अपराधियों की पहचान की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

झारखंड का आम हुआ खास, सऊदी अरब तक पहुंचा इसका स्वाद

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार गांवों में किसानों को आजीविका मुहैया कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत लगाए गए फलदार पौधों से किसानों को आमदनी होने लगी है। इस साल राज्य में 34,500 टन आम का उत्पादन हुआ है। गुमला और खूंटी में सबसे ज्यादा आम का उत्पादन होता है। गुमला में इस बार 250 टन आम का उत्पादन हुआ है। यह पहली बार है कि राज्य से आम सऊदी अरब के दो शहरों में भेजे गए हैं। सऊदी अरब के आम महोत्सव में लोगों को यहां का आम्रपाली आम खूब पसंद आया। अगले सीजन में और आम भेजने की तैयारी चल रही है।

सरकार की मंशा राज्य से लोगों का पलायन रोकने और उनकी खाली (परती) जमीन का उपयोग कर उन्हें आजीविका मुहैया कराने की है। इसी उद्देश्य से बिरसा हरित ग्राम योजना भी शुरू की गई थी। अब तक 1.67 लाख परिवार इससे जुड़े हैं, जो मनरेगा के

तहत काम करते हैं। सरकार उनकी जमीन पर लगाए गए फलदार पेड़ों की पांच साल तक देखभाल के लिए पैसे भी देती है। राज्य में फिलहाल आम्रपाली, मालदा, मल्लिका, दशहरी और स्वर्णरिखा की खेती बड़ी मात्रा में की जाती है। -

1.45 लाख एकड़ में लगाए गए फलदार पेड़ ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत अब तक राज्य में 1.45 लाख एकड़ में फलदार पेड़ लगाए गए हैं। जिसमें करीब 40 हजार एकड़ में लगाए गए पेड़ों से फल प्राप्त हो रहे हैं।

सरकार गरीब किसानों की जमीन का चयन करती है जहां खेती संभव नहीं है। मनरेगा के तहत उस खेत में पेड़ लगाए जाते हैं। इसके बाद उक्त किसान को मजदूरी और पौधों की सुरक्षा, पानी समेत अन्य कार्यों के लिए मनरेगा के तहत पैसे भी दिए जाते हैं। एक एकड़ में करीब 112 से 108 फलदार पेड़ लगाए जाते हैं, इस पर पांच साल में कुल 4.5 लाख रुपये खर्च होते हैं।गुमला और खूंटी आम के सबसे ज्यादा उत्पादन वाले राज्य हैं, जबकि साहिबगंज, पाकुड़ और रामगढ़ आम के सबसे ज्यादा उत्पादन वाले राज्य हैं। 50त्न लाभार्थियों का चयन छ्वस्क्क- (झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन समिति) से किया जाता है। अब तक 1.58 करोड़ फलदार वृक्ष लगाए जा चुके हैं। जिससे राज्य में हरियाली का क्षेत्रफल भी बढ़ा है।

आम्रपाली आम पहली बार सऊदी अरब भेजा : जमशेदपुर के अब्दुल हमीद खान ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार के सहयोग से पहली बार सऊदी अरब के जेद्दा और रियाद शहरों को आम निर्यात किया है। उन्होंने पाकुड़ और पूर्वी सिंहभूम के किसानों से आम खरीदे। केंद्र सरकार के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के साथ-साथ राज्य की बाजार समिति ने इसमें पूरा सहयोग दिया।

हमीद खान कहते हैं कि सब्जियों के बाद पहली बार आम का निर्यात दूसरे देशों में हो रहा है। क्योंकि वहां ज़्यादातर भारतीय काम करते हैं। ऐसे में उन्हें अपने देश की सब्जियों या फलों से ज़्यादा लगाव होता है। झारखंड में आम और सब्जियों का जैविक उत्पादन होता है, जो सभी मानकों पर खरा उतरते हुए निर्यात के लिए बेहतर हैं। ऑल सीजन फ्रेश फार्म कंपनी चलाने वाले हामिद खान बताते हैं कि आम खरीदने के बाद, कोलकाता की लैब में उसकी ग्रेडिंग, पैकेजिंग और टेस्टिंग की गई। उसके बाद, उसे कोलकाता से कार्गो प्लेन से सऊदी अरब भेजा गया। जहां एक किलो आम 19.95 रियाल यानी लगभग 460 रुपये में बिका।

आंगनबाड़ी सेविका का नाम बता साइबर अपराधियों ने उड़ा लिए खाते से रुपये, ग्रामीण दहशत में

केरेडारी (हजारीबाग), एजेंसी। केरेडारी थाना क्षेत्र के कराली पंचायत अंतर्गत ग्राम जोको में बीते दो-तीन दिनों से ष्टं4ड्डद्दह्न- अपराधियों का आतंक बढ़ गया है। महज 48 घंटों के भीतर गांव के पांच लोगों के पास ठगी के काल आए हैं।

हैरान करने वाली बात यह है कि ये ठग काल पर आंगनबाड़ी सेविका का नाम ले ग्रामीणों को झांसे में फंसा रहे हैं। ग्राम जोको के पीड़ित सिकंदर साव ने बताया कि 19 जुलाई को दोपहर करीब डेढ़ से दो बजे के बीच 7250631929 और 8521590429 नंबर से वाट्स एप काल आया।काल करने वाले ने खुद को ब्लाक के आंगनबाड़ी कार्यालय का कर्मचारी बताकर कहा कि जननी सुरक्षा योजना की राशि बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र का नंबर गलत होने के कारण अटकी हुई है। काल पर ही उनसे मोबाइल नंबर का मिलान कराया और कहा कि राशि खाते में चली गई, चेक कर लीजिए।सिकंदर साव ने जैसे ही एयरटेल पेमेंट बैंक का खाता चेक किया, उसमें से 8,000 रुपये गायब हो चुके थे। इसी तरह अन्य ग्रामीणों के पास भी काल आए और सभी से आंगनबाड़ी सेविका का नाम लेकर जानकारी मांगी गई।इससे गांव में दहशत का माहौल है और कई लोगों ने सेविका को फोन कर इसकी पुष्टि भी की। ग्रामीणों ने बताया कि जब इसकी शिकायत केरेडारी थाना में दर्ज कराने गए, तो पुलिस ने कहा कि साइबर थाना में आवेदन दीजिए।

सुभाषितम्

प्राण क्या है देशहित के लिए, देश खोकर हम जिए तो क्या जिए।
- कामताप्रसाद गुरु

सत्ता पक्ष और विपक्ष चर्चा के लिए तैयार, नियमों पर घमासान

लोकसभा और राज्यसभा का मानसून सत्र शुरू हो गया है। मानसून सत्र शुरू होने के पहले सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बैठक भी हुई। सत्ता पक्ष ने कहा हम किसी भी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। विपक्ष ने जिन मुद्दों पर वह चर्चा कराना चाहता है उसके बारे में लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय को अवगत कराते हुए ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम की घटना पर काम रोको प्रस्ताव की सूचना दी है। जैसा पिछले 11 वर्षों से होता आया है, सरकार काम रोको प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करना चाहती है। सरकार हमेशा यह कहती है वह सभी मामलों में चर्चा करने के लिए तैयार है। आसंदी कहती है धारा 167 के अंतर्गत चर्चा करने की अनुमति विपक्ष को दी जाएगी। विपक्ष द्वारा प्रस्तुत सभी काम रोको प्रस्ताव को आसंदी द्वारा निरस्त कर दिया जाता है। नियमों के कारण सत्ता पक्ष और विपक्ष में हो हल्ला और हंगामा होता है। सदन की कार्यवाही नहीं चल पाती है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में एक-दूसरे के ऊपर यह आरोप लगाया जाता है, कि सरकार सदन के अंदर चर्चा नहीं करना चाहती है। सरकार विपक्ष के ऊपर आरोप लगाती है, विपक्ष सदन की कार्रवाई में भाग लेने के स्थान पर हंगामा करता है। लोकसभा और राज्यसभा की आसंदी से भी विपक्ष को यही सीख मिलती है। विपक्ष को धारा 167 के अंतर्गत चर्चा कराने का अवसर आसंदी देगी। मणिपुर में जो हिंसा हुई थी उसको लेकर भी कई दिनों तक सदन की कार्रवाई नहीं चल पाई थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष अपनी-अपनी बातों पर अड़ा रहा, जिसके कारण संसदीय कार्य प्रभावित हुआ। आखिर चर्चा भी काम रोको प्रस्ताव पर नहीं हो पाई। विपक्ष मणिपुर की हिंसा मामले पर प्रधानमंत्री के बयान को लेकर खड़ा रहा। संसद के दोनों सदनों में लगभग दो सप्ताह तक सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में प्रतिरोध बना रहा। उसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष ने अपना एक-एक कदम पीछे खींचा। सदन में नियम 167 के अंतर्गत चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने सदन के अंदर अपना बयान दिया। अब स्थितियां बदल गई हैं। पहले की तुलना में विपक्ष मजबूत हुआ है। विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम की घटना तथा बिहार में जो स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन हो रहा है को लेकर दोनों सदनों में काम रोको प्रस्ताव सदन में पेश किया है। विपक्ष अपनी मांगों पर अड़ा हुआ है। मानसून सत्र के पहले ही दिन सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित हुई। विपक्ष के पास इस बार बहुत सारे ऐसे मुद्दे हैं जिसके बल पर वह सरकार को अपदस्थ होते हुए देखना चाहते हैं। इसके लिए विपक्ष ने सामूहिक रणनीति तैयार की है। सत्ता पक्ष को जिन सहयोगी राजनीतिक दलों का समर्थन प्राप्त है, उनमें से तेलुगु देशम पार्टी मतदाता सूची में जिस तरह से चुनाव आयोग बिहार में काम कर रहा है उसके प्रति उन्होंने असहमति व्यक्त करते हुए चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। भारतीय जनता पार्टी अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष 1 साल से ज्यादा का समय हो गया चुन नहीं पा रही है। सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच में जिस तरह की तलखी देखने को मिल रही है, भारतीय जनता पार्टी के अंदर भी विवाद की स्थिति देखने को मिल रही है। पहलगाम की घटना ऑपरेशन सिंदूर तथा बिहार में मतदाता सूची का सघन पुनरीक्षण के नाम पर विपक्ष के हाथ ऐसे मुद्दे लग गए हैं जो सरकार को नुकसान पहुंचा सकते हैं। विपक्ष अपनी पूरी ताकत के साथ इस बार सरकार के खिलाफ आर या पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार दिख रहा है। वहीं सरकार ने भी विपक्ष के इस रूख को समझ लिया है। सरकार भी आक्रामक मुद्रा में है। इसके साथ ही सरकार ने बचाव की रणनीति अपना रखी है। मानसून सत्र के दौरान 23 और 24 जुलाई को प्रधानमंत्री विदेश के दौरे पर जा रहे हैं। इससे विपक्ष भड़क गया है। विपक्ष का कहना है कि जब मानसून सत्र चल रहा है, ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री का विदेश जाना यह बताता है कि उनके लिए संसद की कोई अहमियत नहीं है।

चिंतन-मनन

दोनों प्रकार का धन एक साथ नहीं मिल सकता

संसार में दो प्रकार का धन होता है भौतिक धन और दूसरा आध्यात्मिक धन। मनुष्य का स्वभाव है कि वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की चाहत रखता है। कोई व्यक्ति सोना, चांदी, रुपए पैसे का अंबार लगाकर धनवान कहलाता है तो कोई भूखा, प्यासा रहकर भी धनवान कहलता है। वास्तव में धनवान दोनों हैं। एक भौतिक धन का धनी है तो दूसरा अध्यात्मिक धन का धनी है। शाङ्घ और पुराण कहते हैं कि दोनों धनों में से अध्यात्म रूपी धन ज्यादा श्रेष्ठ है क्योंकि इसे कोई छीन नहीं सकता। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता है। जिसके पास अध्यात्म रूपी धन होता है वह निश्चिंत होता है। उसे किसी प्रकार की चिंता और भय नहीं रहता है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो एक साथ इन दोनों धनों का सुख प्राप्त कर सके। अध्यात्म और भौतिक धन दोनों दो नाव के समान हैं। आप जानते हैं कि दो नाव की सवारी एक साथ नहीं की जा सकती, अगर ऐसा करेंगे तो डूबना तय है। मर्जी हमारी है कि हम अध्यात्मिक धन अर्जित करके ईश्वर का ऋण चुका दें और जीवन-मरण के चप्र को पार करके दु?ख से मुक्ति प्राप्त कर लें। दूसरा रास्ता यह है भौतिक धन अर्जित करके सांसारिक सुख का आनंद लें और बार-बार जीवन-मरण के चप्र में उलझकर पाप का फल प्राप्त करें। भागवत कहता है कि ईश्वर जिसे प्यार करता है उससे उसका सब कुछ छीन लेता है। सब कुछ छीन लेने का अर्थ है सांसारिक सुख छीन लेना। कबीर दास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, सूरदास, करमैती बाई इसके उदाहरण हैं। ईसा मसीह ने भी कहा है कि सूई के छिद्र से ऊंट भले ही पार कर जाए लेकिन एक अमीर आदमी स्वर्ग प्राप्त नहीं कर सकता। स्वर्ग नहीं मिलने का अर्थ है, ईश्वर की कृपा प्राप्त नहीं होना। इसका कारण यह है कि जब बहुत धन आ जाता है तो व्यक्ति धन संभालने और उसकी सुरक्षा को लेकर ही सदैव चिंतित रहता है। ईश्वर के लिए न तो उनके पास समय होता है और न भक्ति भावना। धन के अहंकार में व्यक्ति ईश्वरीय सत्ता को भी चुनौती देने लगता है। तीर्थस्थलों को पर्यटन स्थल मानकर उनका अपमान करता है।

संसद में हंगामा मतलब समय और संसाधनों की बबार्दी

- डॉ. आशीष वशिष्ठ

संसद के मानसून सत्र की शुरूआत हो चुकी है और जैसा कि उम्मीद थी, सत्र की शुरूआत हंगामेदार रही। विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर नारेबाजी कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने दोनों सदनों में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एक ओर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की दुंदभि देशवासियों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी जोर-शोर से बज रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता अपने एक एजेंडा और झूठे नैरेटिव के साथ भारत को बदनाम करने के मिशन पर चल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राहुल गांधी बार-बार सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर जेट को नुकसान हुआ। दरअसल, वे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। उन्हें पूछना तो यह चाहिए कि हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान को किस तरह तहस-नहस कर दिया? लेकिन राहुल गांधी द्वारा अनाप-शनाप तरीके से ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना किसी के भी गले नहीं उतर रही है।

वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय कहीं राजनीतिक तौर मोदी सरकार को न मिल जाए, इसलिए विपक्ष लगातार रणनीति के तहत अनावश्यक सवाल पूछ कर ऑपरेशन सिंदूर पर सेना और सरकार को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। विपक्ष के इस रवैये से सेना का मनोबल तो गिरता ही है, वहीं देश की उपलब्धियों और गर्व के क्षणों पर भी ग्रहण लगता है।

ये कोई पहली बार नहीं है जब विपक्ष खासकर कांग्रेस किसी विदेशी नेता के बयान या रिपोर्ट के आड़ में संसद को समय बर्बाद कर रहा है। विपक्ष अपने आलोचना धर्म की आड़ में विपक्ष देश की उपलब्धियों और मान–सम्मान पर बेजा टीका–टिप्पणियां करने से बाज नहीं आता। राजनीतिक विचारधारा की लड़ाई अपनी जगह है। पक्ष–विपक्ष में बहस, तर्क वितर्क और टीका टिप्पणी तो लोकतंत्र की प्राणवायु है। लेकिन सरकार या किसी राजनीतिक दल पर हमला करते करते देश के मान सम्मान को नीचा गिरा देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। और देश के संविधान, सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को हासिल नहीं है। भले ही व्यक्ति किसी भी पद या पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ हो। हर नागरिक के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव सर्वोपरि, सर्वोत्तम और सिर माथे पर होना ही चाहिए।

मामला चाहे देश की सुरक्षा से जुड़ा हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की बात हो। विपक्ष सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं के बयान पर विश्वास करने की बजाय दूसरे देशों और विदेशी एजेंसियों एवं संस्थाओं के बयान, रिपोर्ट और बयानबाजी पर संसद में हंगामा करता है। असल में संसद सत्र के दौरान देश और दुनिया का ध्यान उस तरफ होता है। इस समय और अवसर का देशहित और जनहित में करने की बजाय विपक्ष सरकार की छवि धूमिल करने, उसकी साख गिराने और अपनी राजनीति चमकाने के लिये करता है।

2023 के बजट सत्र में अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ था। अगस्त 2024 में हिंडनबर्ग की एक और रिपोर्ट सामने आई थी। तब भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के समय को लेकर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा था कि, पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा है कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले विदेश से एक रिपोर्ट जारी कर दी जाती है। इसको आधार बनाकर विपक्ष संसद में हंगामा खड़ा करता है। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश करार दिया था। अब हिंडनबर्ग के बारे में एक भी शब्द राहुल गांधी या विपक्ष का कोई नेता बोलता सुनाई नहीं देता।

विपक्ष की राजनीतिक सोच और विचार का समर्थन करने वाला एक तथाकथित तबका देश में मौजूद है। ये लोग भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के विरोध के लिए ह्यसे नो टू वॉरह्व कह रहे थे वही लोग आज सीजफायर की खिल्ली उड़ा रहे हैं। अब यही लोग कह रहे हैं कि सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे झुक गई। यह लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इरादे और जज्बे से कर रहे हैं। इनका मूल उद्देश्य यही है कि किसी भी तरह यह साबित कर सकें कि सीजफायर को स्वीकार करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक कमजोर पीएम साबित किया जा सके। इस तरह की दोहरा रवैया देखकर वास्तव में हंसी आती है कि खुद को बुद्धिजीवी समझने वाले ये लोग आखिर चाहते क्या हैं?

इस साल बजट सत्र में राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी 119 प्रतिशत, जबकि लोकसभा की 118 प्रतिशत रही। विपक्ष ने नई शिक्षा नीति, मणिपुर के हालात और बढ़ती रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल पूछे थे। इस दौरान कुल 16 बिल पास हुए। जट सत्र के आंकड़े भले थोड़े अच्छे दिख रहे हों, पर आमतौर पर संसद से हंगामे की तस्वीरें ही ज्यादा आती हैं। लेकिन बजट सत्र के विपरीत शीतकालीन सत्र में संसद के बहुमूल्य समय और संसाधन नष्ट हुए।

18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सत्र के दौरान लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 57.87 प्रतिशत, राज्यसभा में 41 प्रतिशत रही। संविधान पर चर्चा के दौरान लोकसभा में 16 घंटे जबकि राज्यसभा में 17 घंटे बहस हुई। वहीं, लेजिस्लेटिव थिंक टैंक पीआरएस इंडिया के अनुसार 20 दिनों की कार्यवाही में से लोकसभा में 12 दिन प्रश्न काल 10 मिनट से ज्यादा नहीं चल सका। शीत सत्र उदाहरण है, जब लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हो गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने दोनों पड़ोसियों में शांति कराई। अब तो उन्होंने यह भी दावा कर दिया है कि संघर्ष में कुछ जेट गिरे थे। सरकार पर स्थिति स्पष्ट करने का दबाव होगा। इसी तरह, चुनाव आयोग का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी सर केवल वोटिंग लिस्ट की समीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी सर की टाइमिंग को सही नहीं माना है, तो सरकार को कुछ कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ सकता है। संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा। राजनीतिक दल अलग-अलग विचारधाराओं के हो सकते हैं, मगर सदन का अच्छी तरह चलना सभी की जिम्मेदारी है। सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं।

भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना कर्तव्य

- संजय गोस्वामी

भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है क्योंकि इस धरती पर भगवान राम के चरण पड़े और सीता माता की रक्षा के लिए रावण जैसे विशाल सेना को हराया और रावण के अहंकार को भी भगवान राम ने चूर चूर कर दिया भगवान श्री राम के भक्त हनुमान जी और तुलसीदास जी थे एक बार अकबर ने राम के नाम का प्रचार प्रसार को देखकर इतना गुस्सा हो गया कि तुलसीदास को महल में बुलाया और सर ना झुकाने पर उसे बंदी बना लिया तब हनुमान जी की बानर सेना ने धावा बोल दिया और महल में उत्पाद मचाने लगे तब अकबर को समझ आया कि तुलसीदास के पास भगवान राम साथ रहते हैं और छोड़ दिया इतिहास में दर्ज है अकबर की क्रूरता सभी हिन्दू राजा को दास बनाना एक बार राणा प्रताप तुलसीदास से मिले और राम भक्त बन गए और वही अकबर ने उसे अपनी दसिता मेवाड़ के राजा के रूप में उसके साथ ना मिलने पर हल्दीघाटी का युद्ध हुआ अतः अकबर ने मेवाड़ के राजा राणा प्रताप को बहुत कोशिश की उनकी दासता को स्वीकार करें और राजपूत मुगलों से एक रिश्ता बन सके लेकिन वो इसी सिलसिले में राणा प्रताप तुलसीदासजी के पास जाते हैं और अपनी व्यथा सुनाते हैं और राजा मान सिंह का दबाव बताते हैं तभी तुलसीदास जी ने भगवान राम का साक्षात दर्शन कराया और कहा भगवान राम हर समय तुम्हे रक्षा करेंगे और तुम्हारी बहादुरी को भारत के इतिहास में अमर रहेगा और उसके बाद अकबर से किसी भी प्रकार के संधि से मना कर युद्ध करने को तैयार हो गए और उनके सामने थे राजा मान सिंह और मुगलों की विशाल सेना जिसे हल्दीघाटी के युद्ध से भी जाना जाता है दरअसल राजा मान सिंह, जिन्हें मिर्जा राजा के नाम से जाना जाता था, अकबर के एक वरदहस्त साथी थे, और उस मंडली के सदस्य थे जिसे बादशाह नौरत्न या नौ रत्न कहते थे। वे 1562 में अकबर के दरबार में शामिल हुए, जोधाबाई अकबर की पत्नी मरियम-उज-जमानी का एक लोकप्रिय नाम है। मान सिंह उनके भतीजे थे। वे उनके भाई, राजा भगवंत दास के पुत्र थे। हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप ने जिस बहादुरी से लड़ा वो इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं उन्होंने सीधा मान सिंह जो हाथी पर सवार थे उनका घोड़ा चेतक ने हाथी पर चढ़ना चाहा और घायल हो गया अतः उनके साथियों ने सलाह दि की आप यहाँ से दूर जाकर चेतक की रक्षा करें युद्ध के दौरान, चेतक घायल हो गया था, लेकिन फिर भी वह महाराणा प्रताप को युद्ध के मैदान से दूर ले गया। चेतक ने एक 22 फुट चौड़ा नाला भी पार किया, जिसे मुगल सेना पार नहीं कर पाई थी चेतक की वीरता और वफादारी के कारण, उसे आज भी याद किया जाता है। युद्ध के बाद, चेतक की मृत्यु हो गई और उसकी याद में एक स्मारक बनाया गया, जिसे चेतक समाधि के नाम से जाना जाता है। हल्दीघाटी युद्ध का भले ही कोई परिणाम नहीं निकला क्योंकि वहाँ महाराणा प्रताप को पकड़ा नहीं गया और उनके बदले किसी और ने महराणा प्रताप का मुकुट पहना था और वो शहीद हो गया लेकिन इतिहास लिखने वाले कैसे अकबर को महान मानते हैं लगता है उन्हें हल्दीघाटी युद्ध की जानकारी नहीं होगी और महाराणा प्रताप के बारे में समझा नहीं होगा और फिल्म कार भी कैसे अकबर जो क्रूर था उसको महान बनाने में फिल्म भी बना दि कोई अकबर दि ग्रेट बनाया कोई जोधाबाई इससे आपको नहीं लगता देश के सच्चे नायक महराणा प्रताप जो भारत को अकेले ही मुगलों से लोहा लिया और उस समय उसका नेतृत्व अकबर ने ही किया था दरअसल अकबर बहुत चालक था जो भगवान राम की धरती पर पूर्ण मुगल समाराज्य की स्थापना ब्रेन वास कर करना चाहता था इसलिए हिन्दू को भ्रमित करने के लिए राजा मान सिंह से मंदिर भी बनवाएं और इस तरह धन का लालच देकर सबको अपना गुलाम बना लिया इससे भारत को केवल अपने पाठ्यक्रम में बदलाव नहीं भारत को राम का कर्मभूमि समझ कर देशहित में निर्णय लेना चाहिए आज अमेरिका क्यों कूद रहा भारत के आंतरिक मामलों पर चीन के साथ हाथ क्यों मिला रहें हैं यह 140 करोड़ भारतीय का लोकतान्त्रिक देश है जो मर सकता है मिट जाएगा लेकिन किसी के सामने कभी नहीं झुकेगा आखिर क्या सीखा भगवान राम से हथियार डाल दे याद कीजियेगा भारत के रक्षक गुरू गोविन्द सिंह की चमकौर युद्ध की जिस मुगलों ने आनंदपुर साहिब को पुरी तरह से घेर रखा था और रसद पानी सब बन्द कर दिए गए उसके बाद जब 40 सिख ने विरोध किया तो गुरुगोविन्द सिंह ने कहा क्या मैं खुद के लिए लड़ रहा हूँ तब सभी 40 सिखों ने वजीर खान की दस लाख सेना से लड़े और गुरूजी ने 5-5 की तादाद में भेजना चालू किया और अंत में विजय हुए हालांकि उसमें सारे शहीद जरूर हुए लेकिन गुरूजी पंच प्यारे के कहने पर वहाँ से दूर जरूर गए लेकिन उनकी वीरता और भारत के आत्मसम्मान को कभी झुकने नहीं दिया भाषण देने मंदिर बनाने से ज्यादा जरुरी है भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना भारतीय सेना के बहादुरी को सलाम करना भारत में किसी चीज की कमी नहीं है हमें रोटी कपड़ा और मकान की जरुरत से ज्यादा भगवान राम ने दि है इसे किसी के आगे झुकने नहीं दो चाहे देश के लिए मर मिटो नहीं चाहिए टेस्ला कार और भौतिक सुखों का अम्बार टेस्ला कार मुंबई में अचानक नहीं आई होगी पहले से प्लांनिंग होगी अब इससे भ्रस्टाचार और बढ़ेंगे कार को पाने के लिए आखिर कौन लेगा जिसके पास पैसा होगा और पैसा अमीरों के पास होगा जो गरीबों से ही बसूला जायेगा अतः भारत में अब भाषण नहीं भगवान राम के आदर्शो से सिखने की जरुरत है जो स्थूल शरीर भारत माता के स्वाभिमान के लिए मिट सकता है लेकिन मर नहीं सकता क्योंकि आत्मा अमर होती है और देश से बढ़कर कुछ नहीं है जिसे भारत माता के वीर सपूत महाराज शिवाजी, महाराणा प्रताप, गुरू गोविन्द सिंह और संभाजी से प्रेरणा लें उन्होंने अपने बारे में कभी नहीं देश के बारे में सोचा।अभी जो चर्चा का विषय बना है मुगल सम्राट अकबर का एन सी आर टी के पाठ्यक्रम में बदलाव जिसमें पहले अकबर को इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में एक अच्छा मुगल शासक बताया गया बदलाव ठीक है लेकिन अमल करना चाहिए भारत माता को माँ समझ कर उसके स्वाभिमान की रक्षा करना हर भारतीय का दायित्व है अमेरिका के राष्ट्रपति जिस तरह भारत के आंतरिक मामलों में दखल दे रहें है वो बिलकुल गलत है युद्ध होता है तो दोनों तरफ से बमबारी खून खराबी होती है लेकिन जरुरी ऐ होता हैं हमने अपना लक्ष्य हासिल की या नहीं अब ऑपरेशन सिंदूर में 5फायटर जेट गिरे या क्या हुआ ऐ भारतीय सेना के गर्व की बात है जिसे सेना के सीडीएस प्रमुख ने खुद मीडिया के सामने बयान दिया सेना के उप प्रमुख ने तो यहाँ तक कह दिया की हम युद्ध पाकिस्तान के साथ साथ तीन फ्रंट पर लड़ रहें थे जिसमें चीन औ? तुर्की भी शामिल था अतः वो अब मजाक के पात्र बन गए है ऐ कहना चाहिए भारतीय सेना ने जान की बाजी लगाकर भारत की रक्षा की हमें सेना की बहादुरी को सलाम करना चाहिए। रोग होने पर रोग की चिन्ता करना उसे द्विगुणित कर देता है।

लोकसभा और राज्यसभा में काम रोको प्रस्ताव पर चर्चा

- सोहिल जैन

पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने कभी भी काम रोको प्रस्ताव पर पर चर्चा की अनुमति नहीं दी है. सरकार जब पूर्ण बहुमत में थी तब भी सरकार ने किसी काम रोको प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। सरकार विपक्ष के सवालों के जवाब से बचना चाहती है। पिछले 11 वर्षों में कई इतनी बड़ी घटनाएं हुई हैं। जिस पर काम रोको प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती थी काम रोको प्रस्ताव पर चर्चा नहीं कराने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। सरकार यदि अपनी जवाबदेही से बचना चाहती है। ऐसी स्थिति में संसदीय नियमों, प्रक्रियाओं और परिस्थितियां प्रमुख कारण होते हैं। लोकसभा के स्पीकर या राज्यसभा के सभापति प्रस्ताव को अस्वीकार कर सकते हैं। इससे सरकार को बचाव का मौका मिल जाता है। नियमों के अनुसार काम रोको प्रस्ताव तभी स्वीकार किया जाता है। जब मामला अत्यंत गंभीर, तात्कालिक और सार्वजनिक महत्व का हो। साथ ही सरकार की विफलता से संबंधित हो। उदाहरण के लिए सरकार उन सभी मुद्दों पर जिन पर सरकार की जवाब देही होती है। जनमानष के बीच में सरकार की छवि खराब होती है। ऐसे मुद्दों पर काम रोको प्रस्ताव को अक्सर अस्वीकार कर दिया जाता है। अध्यक्ष और सभापति यदि सरकार चर्चा के लिए तैयार नहीं है। ऐसी स्थिति में काम रोको प्रस्ताव को नियमों के उपयुक्त नहीं मानकर आसंदी अपने स्तर पर विपक्ष के प्रस्ताव को अस्वीकार कर देती है। 2010 में लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने महंगाई पर काम रोको प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा था। यह उस श्रेणी में नहीं आता है, जहां सरकार की स्पष्ट विफलता हो। लोकसभा में काम रोको प्रस्ताव नियम 56-60 के तहत सख्त शर्तें हैं। जैसे प्रस्ताव का विषय, वास्तविक स्थिति, तथ्यात्मक और सत्यापित होनी चाहिए। विपक्ष का प्रस्ताव इन मानदंडों को पूरा नहीं करता। यह कहकर प्रस्ताव को अस्वीकार कर सकते हैं। राज्यसभा में काम रोको प्रस्ताव की प्रक्रिया थोड़ी अलग है। वहां भी सभापति को यह अधिकार है। वह नियमों के आधार पर प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने के अधिकार हैं। सरकार यदि नहीं चाहती है तो कभी भी लोकसभा और राज्यसभा की आसंदी काम रोको प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करती है। सभापति अक्सर सुझाव देते हैं। विपक्ष गंभीर मुद्दे पर चर्चा के लिए अन्य प्रक्रिया अपनायें जिसमें अल्पकालिक चर्चा हो। अधिक दबाव होने पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा की अनुमति देकर गतिरोध को समाप्त किया जाता है। यह प्रावधान सरकार की मदद करते हैं। काम रोको प्रस्ताव स्वीकार करने से सदन की सामान्य कार्यवाही रुक जाती है। जिसे सरकार की पहल पर सभापति अक्सर टालते हैं, खासकर जब अन्य महत्वपूर्ण विधि- विधायी कार्य जैसे बजट या विधेयक लंबित हों। सरकार ने अभी युद्ध विराम किया है। युद्ध समाप्ति की घोषणा नहीं की है। जिसके कारण सरकार काम रोको प्रस्ताव पर चर्चा कराने तैयार नहीं होगी। सभापति यह सुनिश्चित करना चाहते हैं। सदन का समय और संसाधन का प्रभावी ढंग से उपयोग हो। कई बार सभापति को यह लग सकता है कि प्रस्ताव का उद्देश्य सरकार को झकझोरना या राजनीतिक लाभ लेना है, न कि वास्तव में रचनात्मक चर्चा करना। उदाहरण के लिए, 2010 में शरद यादव ने कहा था कि काम रोको प्रस्ताव सरकार को झकझोड़ने के लिए है, न कि गिराने के लिए, लेकिन फिर भी इसे अस्वीकार कर दिया गया।

आज का राशिफल

- **मेष** कार्यों को पूरा करने पर ध्यान देना होगा। आपके पुराने अनुभव अब काम आ सकते हैं।
- **तुला** समस्याओं का सही समाधान न मिलने का कारण मानसिक अशांति महसूस हो सकती है।
- **वृषभ** आज अपने कार्यक्षेत्र पर अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। वहीं, जो लोग सरकारी नौकरी करते हैं।
- **वृश्चिक** आज कुछ विशेष कार्य करने या योजना बनाने में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं।
- **मिथुन** आज व्यवसाय से जुड़ी कुछ समस्याएं चल रही थी, तो अब उनका समाधान मिल सकता है।
- **धनु** कार्यस्थल पर आपको किसी भी बड़े अधिकारी से बहस या कहासुनी करने से बचना होगा।
- **कर्क** आज पूरा दिन खुश रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको किसी भी विरोधी आलोचना से दूर रहना होगा।
- **मकर** आज वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किसी बात को लेकर आपकी बहस हो सकती है।
- **सिंह** आज अपने विरोधियों से सावधान रहना होगा। वे आपके खिलाफ कोई योजना बना सकते हैं।
- **कुंभ** आज भूमि खरीद सकते हैं। साथ ही, स्थान परिवर्तन का भी शुभ संयोग बनता दिख रहा है।
- **कन्या** आज अपने उत्साह, दृढ़ निश्चय और तुरंत सही निर्णय लेने वाली क्षमता के चलते लाभ प्राप्त करेंगे।
- **मीन** आज किसी प्रतियोगिता में भाग लिया था तो उसमें आपको जीत हासिल हो सकती है।

विशेष

भारत की हर जांच संदिग्ध क्यों

भारत में किसी भी घटना और दुर्घटना के बाद जो भी जांच की जाती है। वह सभी जांच संदिग्ध हो जाती हैं। हाल ही में अहमदाबाद में हुए विमान दुर्घटना की जांच रिपोर्ट आई है। यह रिपोर्ट भी पूरी तरह से संदिग्ध हो गई है। कोई भी इस रिपोर्ट पर विश्वास नहीं कर रहा है। यह माना जा रहा है, भारत और अमेरिका के बीच में जो ट्रेड डील हो रही है। उसका प्रभाव इस जांच रिपोर्ट में देखने को मिल रहा है। जांच भारत में हो रही थी, रिपोर्ट अमेरिका से लीक की गई। अमेरिकी विमानन कंपनी को बचाने का प्रयास जांच अधिकारियों द्वारा किया गया है। जांच में कमर्शियल पायलटो को शामिल नहीं किया गया। 259 यात्रियों की मौत के बाद जब आधी अधूरी जांच रिपोर्ट आती है। तो ऐसी जांच रिपोर्ट का भगवान ही मालिक है।

अमेरिका, नाटो देश-रूस और यूक्रेन की लड़ाई में भारत दो पाँटों के बीच फंसा

अमेरिका लगातार भारत के ऊपर दबाव डाल रहा है। भारत रूस से तेल और सैन्य सामग्री लेना बंद करें। भारत अमेरिका के साथ अपना व्यापार बढ़ाए। अन्यथा भारत पर भारी टैरिफ लगा दिया जाएगा। अब नाटो देशों ने भी भारत को चेतावनी दी है। रूस और यूक्रेन के बीच भारत युद्ध विराम कराए। अन्यथा भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगा दिया जाएगा। चीन पहले ही पाकिस्तान के पक्ष में आकर खड़ा हो गया है। भारत की हालत यह हो गई है, कि जो आ रहा है। वही भारत का ढोल पीटकर आगे बढ रहा है। अमेरिका और ब्रिक्स देशों के बीच की लड़ाई मे भारत फंसा हुआ है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1515: पोलैंड और रोम के बीच विवाद और हंगरी की गद्दी के उत्तराधिकारी का मामला हल हुआ. 1901: ब्रिटेन और जापान ने गठबंधन बनाने के लिए लंदन में बातचीत की. 1923: प्रसिद्ध गायक स्व.मुकेश का जन्म दिल्ली में हुआ. 1933: अमरीकी विमान चालक विली पोस्ट ने अकेले दुनिया का चक्कर लगाया. 1943: द्वितीय विश्व युद्ध में मित्र राष्ट्रों ने पालेमों इटली पर कब्जा किया. 1950: छह वर्ष तक निर्वासित जीवन बिताने के बाद नरेश लियोपोल्ड तृतीय बेल्जियम लौटे. 1973: सोवियत अंतरिक्ष यान ने मंगल ग्रह के लिए अपनी यात्रा शुरू की. 1977: मिस्त्र ने लीबिया के अड्डों पर दूसरे दिन भी बमबारी की. 1988: भारतीय उपग्रह इन्सैट 1- सी का कोरू, फ्रेन्च गुयाना में असफल परीक्षण किया. 1990: विद्रोहियों ने लाइबेरिया के राष्ट्रपति सैमुअल डो को बंदी बना लिया.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.02 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	07.22 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.34 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	11.45 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.00 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.16 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.21 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.07 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.40 बजे से
राहुकाल		मेष	23.11 बजे से
3.00 से 4.30		वृष	00.51 बजे से
बजे तक		मिथुन	02.49 बजे से

2025 वर्ष का 203 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 07.06 बजे तदनन्तर त्रयोदशी 04.40 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 19.25 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 15.32 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 07.06 बजे, गर 17.52 बजे तदनन्तर वणिज 04.40 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 16' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872413 **जूलियन दिन** 2460878.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 26 **विशेष** प्रदोष व्रत, गौरी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

वैज्ञानिकों की चेतावनी, खत्म हो जाएगी आर्कटिक में बर्फ

दुनिया में अक्सर कई डराने वाले अध्ययन सामने आते रहते हैं। अब वैज्ञानिकों ने एक वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन के बाद बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि सिर्फ 10 साल के अंदर आर्कटिक में बर्फ खत्म हो जाएगी। यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर में यह अध्ययन किया गया है। इसमें कहा गया है कि गर्मियों के मौसम में भी बर्फ नजर आती है, लेकिन आने वाले कुछ सालों में बर्फ खत्म हो जाएगी। नेचर रिव्यू अर्थ एंड एनवायरमेंट जर्नल में यह अध्ययन प्रकाशित किया गया है। अध्ययन के मुताबिक, जल्द ही आर्कटिक से बर्फ गायब हो जाएगी और यह 10 सालों के अंदर ही होगा। अध्ययन में कहा गया है कि जिस हिसाब से तापमान में वृद्धि हो रही है, वह खतरनाक है। यह नहीं है कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने से ऐसी स्थिति उतपन्न नहीं होगी। वैज्ञानिकों ने हर तरह की स्थितियों की जांच की है, जिसके बाद उन्होंने दावा किया कि 10 साल में बर्फ का पिघलना तय है।

उनका कहना है कि इस सदी के मध्य तक आर्कटिक के समुद्र में सितंबर महीने में बर्फ नजर नहीं आएगी। सदी के अंत तक यह कई महीनों तक यह नजारा नहीं दिखेगा। अगर कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन अभी की तरह अधिक हुआ, तो उस स्थिति में भी धरती के उत्तरी क्षेत्र में सर्दियों में भी कम बर्फ नजर आएगी। इसका मतलब यह नहीं है कि बर्फ एकदम नहीं बचेगी। वैज्ञानिक भाषा में अगर आर्कटिक में 10 लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ रहती है, तो उसे बिना बर्फ का आर्कटिक कहा जाता है। 1980 में इस क्षेत्र में सबसे कम बर्फ देखी गई थी। हाल के सालों में आर्कटिक में सितंबर के महीने में सबसे कम बर्फ 33 लाख वर्ग किलोमीटर दर्ज की गई थी।

वैज्ञानिक एलेक्जेंड्रा जान ने यह अध्ययन किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान, इतिहास और उत्सर्जन के हिसाब से कंप्यूटर मॉडल्स बनाए। इसके बाद उस आधार पर भविष्य में बर्फ की मात्रा का विश्लेषण किया गया।

जानकारी मिली कि प्रतिवर्ष अगर 1 वर्ग किलोमीटर बर्फ पिघलती है तो अधिकतम 18 साल में आर्कटिक की बर्फ गर्मियों में समाप्त हो जाएगी। अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन इसी दर से होता रहा है, तो कम से कम 10 साल में ही यह नजारा दिख सकता है। यानी 2030 के दशक में आर्कटिक इलाके में सितंबर के महीने में बर्फ नजर नहीं आएगी।

आर्कटिक के जानवरों पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ेगा। आर्कटिक सागर गर्म होने पर इलाके में वह मछलियां पहुंच जाएंगी, जो वहां पर नहीं रहतीं। इससे स्थानीय ईकोसिस्टम पर नई प्रजातियां पहुंच जाएगा। इसका असर कितना होगा, यह पता करना बहुत मुश्किल है। लहरों के तेज टक्कर से मिट्टी का कटना होगा और इससे तटीय इलाका कट-कटकर समंदर में गिरेगा।

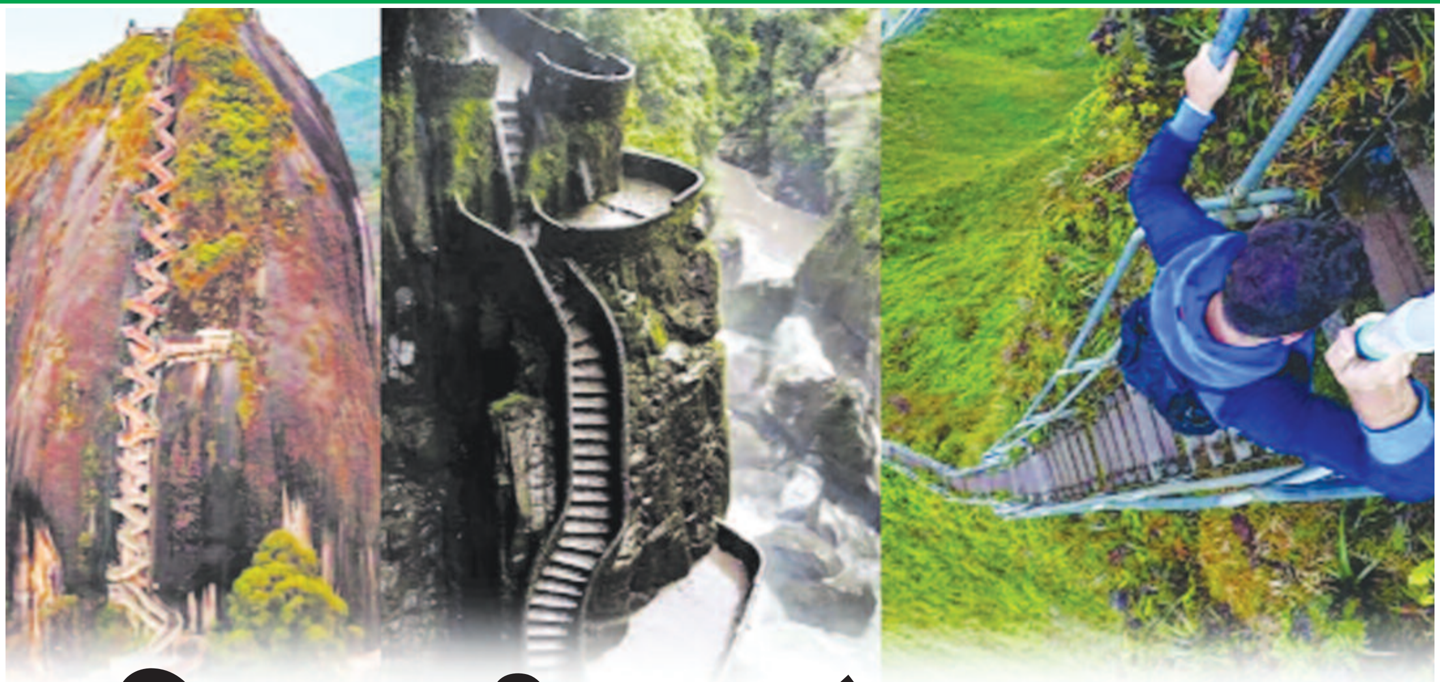

दुनिया की सबसे खतरनाक सीढ़ियां

सीढ़ियों से आप रोज चढते-उतरते होंगे. चाहे घर हो या दफ्तर, हर जगह आपको एकदम सीधी और सिंपल सीढ़ियां मिलती होंगी. लेकिन अगर हम कहें कि दुनिया में कई जगहें ऐसी हैं, जहां की सीढ़ियों पर चढ़ने से लोगों की रूह कांप उठती है तो शायद आपको यकीन होगा. लेकिन यह सच है. आज हम आपको दुनिया की 6 सबसे खतरनाक सीढ़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां कलेजा हाथ में रखकर सीढ़ियों पर चढ़ते हैं लोग

कोलंबिया का ग्वाटापे रॉक

कोलंबिया का ग्वाटापे रॉक 650 फीट से अधिक ऊंची चट्टान में पर चढ़ने के लिए यह 649 सीढ़ियां बनाई गई हैं, जो बेहद डरावनी हैं. दरार के बीच में बनी टेढ़ी-मेढ़ी इन सीढ़ियों पर चढ़ता सबके बस की बात नहीं. इसके लिए जिगर चाहिए. इन सीढ़ियों पर चढ़ने से पहले लोगों के पैर कांपने लगते हैं. इस चट्टान को कोलंबियाई सरकार ने राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया हुआ है.

हवाई की हाइकू सीढ़ियां

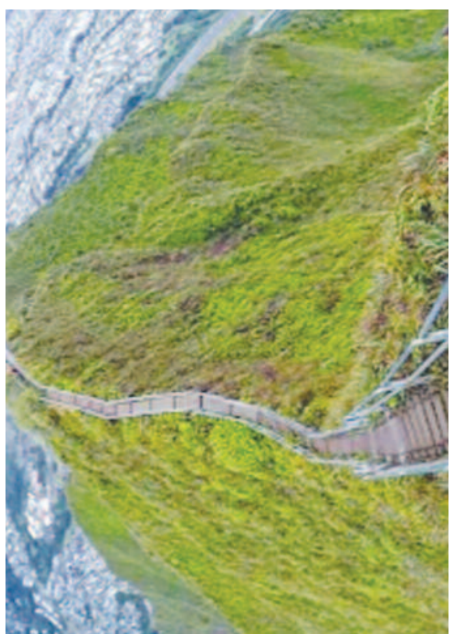

इन्हें स्वर्ग की सीढ़ी भी कहा जाता है. आम जनता यहां नहीं जा सकती और पैदल यात्रा करना अवैध घोषित किया गया है. फि?र भी दर्जनों साहसी लोग हर दिन 2500 फीट की ऊंचाई पर बनी इन 4000 सीढ़ियों पर चढ़ते हैं. इसमें एक ओर मोनालुआ घाटी है तो दूसरी तरफ लाइकलाइक हाईवे और केनोहे है. सीढ़ियां सिर्फ 18 इंच चौड़ी हैं और 30 डिग्री की ढलान है, जो रूह कंपा देती है.

माउंट हुशान की सीढ़ियां, चीन

चीन के शानक्सी प्रांत में स्थित माउंट हुशान देश के पांच पवित्र पहाड़ों में से एक है. इस पहाड़ पर मनुष्यों द्वारा लकड़ी और लोहे की छोटे-छोटे प्लेट्स से पगडंडियों जैसा रास्ता बनाया गया है. इस पर चलने की हिम्मत वही कर सकता है, जिसका दिल बेहद मजबूत हो. चढ़ाई में खड़ी सीढ़ियाँ, संकरे रास्ते और तख्ती के रास्ते का एक नेटवर्क है, जिस पर जाना आसान नहीं.

सैन जुआन डे गज़टेलुगाटेक्स की सीढ़ियां, स्पेन

स्पेन का सैन जुआन डे गज़टेलुगाटेक्स एक छोटा चट्टानी द्वीप है. यहां कई ऐतिहासिक आश्रम हैं, जो

वर्षों से पसंदीदा पर्यटन स्थल रहे हैं. लेकिन यहां तक पहुंचने के लिए आपको 231 पत्थर की सीढ़ियां पार करनी होंगी जो काफी डरावनी हैं. क्योंकि नीचे समुद्र की तेज और उफनाती लहरें हैं और कई बार हिला पुल लगता है कि टूट जाएगा.

पाइलोन डेल डियाब्लो वाटरफॉल की सीढ़ियां, इक्वाडोर

इक्वाडोर का पाइलोन डेल डियाब्लो वाटरफॉल पर बनी सीढ़ियां खूबसूरत नजारों का फील लेने के लिए डिजाइन की गई थीं. लेकिन जब आप ऊपर से सीढ़ियों को नीचे तक देखेंगे तो वो आपको एक साथ मिली हुई दिखेंगी. वैसे ये सीढ़ियां काफी फिसलन भरी हैं, लेकिन साइड में मेटल की रेलिंग लगी हुई हैं, जिनकी मदद से आप चढ़-उतर सकते हैं.

अंगकोर वाट की सीढ़ियां, कोलंबिया

कोलंबिया के अंगकोर वाट में सबसे ऊपर के मंदिरों की लगभग 70 प्रतिशत सीढ़ियां बिल्कुल झुकी हुई हैं. यही वजह है कि इन पर उतरने या चढ़ने के लिए आपको रस्सियों की जरूरत पड़ेगी. यहां के लोग कहते हैं कि ये सीढ़ियां लोगों को याद दिलाती हैं कि स्वर्ग तक पहुंचना कितना कठिन है. फिर भी हर साल हजारों लोग यहां से जाते हैं.

एक ऐसा गांव जहां रहने वालों लोगों की उम्र अधिक होती है

दुनिया में कई अनोखी चीजें हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताएंगे, जिसके बारे में जानकर आपको यकीन नहीं होगा। हर किसी की चाहत होती है कि वह ज्यादा समय तक जिंदा रहे, लेकिन इस भागदौड़ भरी जिंदगी में कई वजहों से लोगों का यह सपना अधूरा रह जाता है। दुनिया में एक ऐसा गांव है जहां पर रहने वालों लोगों की उम्र अधिक होती है। यह पूरी तरह सच है। आईए जानते हैं इस अनोखी जगह के बारे में और इसके पीछे रहस्य क्या है...

हम इंग्लैंड के एक गांव की बात कर रहे हैं। यहां पर डेटलिंग और थर्नहैम केंट गावों में रहने वाले लोग अप्रत्याशित रूप से ज्यादा उम्र तक जीवित रहते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन दोनों गांवों की महिलाओं की औसत उम्र 95 साल है। यहां पर पुरुष के मुकाबले महिलाएं ज्यादा दिन जीवित रहती हैं। अगर पूरे ब्रिटेन की करें, तो यहां पर लोगों की औसत आयु 83 साल है।

इंग्लैंड के इन दोनों गांवों में महिलाएं की उम्र 12 साल अधिक होती है, तो यहां पर पुरुष कम से कम 86 वर्ष तक जीते हैं। जानकर यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन इंग्लैंड के इस गांव के लोग सबसे ज्यादा समय तक जिंदा रहते हैं। इस गांव में पब्स और वर्कप्लेस पर स्मोकिंग करने पर रोक है। गांव के लोग इतने जागरुक हैं कि देशभर में यह प्रतिबंध लगाने के सात साल पहले ही यहां पर पब्स और वर्कप्लेस पर स्मोकिंग करना बैन हो गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, डेटलिंग गांव नॉर्थ डाउन्स के टीलों के पास मौजूद है। जहां पर करीब 800 लोगों की आबादी रहती है। इस गांव के कई लोगों का नाम ब्रिटेन के सबसे बुजुर्ग लोगों की लिस्ट में शामिल किया गया है। इस गांव की महिलाओं की औसत उम्र 95 साल है, तो वहीं ब्रिटेन में लोगों की औसत उम्र सिर्फ 83 साल है। बताया जाता है कि इस गांव के लोग अपने स्वास्थ को लेकर काफी जागरुक हैं। अपने स्वास्थ्य का बेहतर तरीके से ध्यान रखते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इस गांव में ही 8 डॉक्टर हैं। इसकी वजह से लोगों को आसानी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल जाती हैं। गांव में प्राकृतिक जलाशय है जिससे यहां के लोगों को पानी मिलता है। इसके चलते यहां पर साफ पानी की भी कोई समस्या नहीं है।

मिलान में स्थित है दुनिया का पहला वर्टिकल फॉरेस्ट

वर्टिकल फरिस्ट के निर्माण में लगभग 3727 करोड़ रुपये की लागत आई है। इस वर्टिकल फॉरेस्ट में 800 पेड़ और 5 हजार से ज्यादा हरी-भरी झाड़ियां लगाई गई हैं। इस अनोखे वर्टिकल फरिस्ट को कई अवॉर्ड मिल चुके हैं।

इटली के मिलान शहर में में है दुनिया का इ पहला वर्टिकल फॉरेस्ट। इसे बॉस्को वर्टिकल भी कहा जाता हैं। यहां दो ऊंची इमारतों को इस तरह से तैयार किया गया है कि वे शहर के बीच एक जंगल की तरह नजर आती हैं। यहां 800 से ज्यादा पेड़, 14 हजार से ज्यादा पौधे और 5 हजार हरी-भरी झाड़ियां लगाई गई हैं। इसका मकसद शहरी इलाकों में हरियाली बढ़ाना और पर्यावरण को बेहतर बनाना है। इस फॉरेस्ट को स्टेफानो बोएरी आर्किटेक्ट ने डिजाइन किया है। यह प्रोजेक्ट साल 2014 में पूरा हुआ था। वर्टिकल फॉरेस्ट की पत्तियां मौसम के साथ रंग बदलती हैं तो इन टावर की खूबसूरती और बढ़ जाती है। दोनों टावर क्रमशः 80 और 112 मीटर ऊंचे हैं। इमारत में पेड़-पौधे हैं इसलिए गर्मियों के दिनों में भी यहां एसी का उपयोग कम होता हैं क्योंकि बाहरी हवा ही ठंडी होती है। यहां रहने वाले लोगों को भरपूर ऑक्सीजन मिलती है, जिससे उन्हें लगता है कि वे प्रकृति से बहुत दूर नहीं गए हैं। दरअसल साल 2007 में स्टेफानो बोएरी दुबई गए थे। वहां उन्होंने ऊंची-ऊंची इमारतें देखी, जिसमें कांच, धातु और सिरेमिक का इस्तेमाल किया गया था। जब सूरज की किरणें उन पर पड़ती थीं, तो इमारत में गर्मी भी बढ़ जाती थी। शोध करने पर पता चला कि पिछले 7 सालों में वहां बनी 94 प्रतिशत इमारतों में कांच लगा हुआ था। इससे जमीन में भी गर्मी बढ़ गई थी।

डीजल-पेट्रोल वाहनों के स्क्रैप में हेराफेरी करने वाले सेंटर पर लगेगा बैन

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को स्क्रैप (कबाड़) करने वाले स्क्रैप सेंटरों में हेराफेरी पर रुख अपनाया है। सरकार ने कहा है कि मानकों का पालन नहीं करने पर स्क्रैप सेंटरों पर बैन लगाया जाएगा। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्क्रैप नीति के तहत विभाग ने 2021 में दिशा-निर्देश जारी किए थे। पुराने वाहनों को स्क्रैपिंग के लिए इनका पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय के संज्ञान में आया है कि कई स्क्रैप सेंटर पुराने वाहनों को दूसरे

राज्यों में बेच रहे हैं, जहां पुराने वाहनों का चलाने की अनुमति है।

स्क्रैप सेंटर में पहुंचने वाले पुराने वाहनों - सर्टिफिकेट ऑफ डिपोजिट) और वाहनों के स्क्रैप होने के आंकड़ों में भारी अंतर पाया गया है। विशेषकर पुराने सरकारी वाहनों की खरीद में हेराफेरी की जा रही है। अधिकारी ने बताय कि सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने सभी राज्यों को पत्र लिखकर मानकों का पालन नहीं करने वाले स्क्रैप सेंटरों पर बैन लगाने के लिए कहा है।

ऑडिट रिपोर्ट में पकड़ में आई गड़बड़ियां- मोटर वाहन (वाहन स्क्रैपिंग सुविधा का पंजीकरण और कार्य) नियम, 2021 के नियम 14 के अनुसार, स्क्रैप सेंटरों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में ऑडिट करना अनिवार्य है। 31 मई तक राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली पोर्टल पर ऑडिट रिपोर्ट जमा करना होता है।

मुकेश अंबानी को बड़ा झटका, दौलत में लगी सेंध और अमीरों में घटा रुतबा

नईदिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को सोमवार को दोहरा झटका लगा। दुनिया के अरबपतियों में उनका रुतबा घटा यानी रैंकिंग कम हुई और नेटवर्थ में बड़ी गिरावट भी दर्ज की गई। दरअसल, इसके पीछे उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर हैं। सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (के शेयरों में 3.29 प्रतिशत की गिरावट आई।

शेयर 1,428.20 पर आ गया। इस गिरावट की वजह से अंबानी ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में 16वें पोजीशन से लुढ़क कर 17वें पर पहुंच गए और 3.28 अरब डॉलर का झटका भी लगा।

रिकॉर्ड मुनाफा, पर क्यों गिरे शेयर

इकनॉमिक टाइम्स की खबर के मुताबिक कंपनी ने 30,783 करोड़ का मुनाफा दिखाया, जो रिकॉर्ड है, लेकिन इसका एक बड़ा हिस्सा (8,924 करोड़) एशियन पेंट्स में अपनी हिस्सेदारी बेचने से आया था। साथ ही, ब्याज और टैक्स का खर्च भी अनुमान से कम आया। कई बड़ी ब्रोकरेज कंपनियों (जेफरीज, एमके, मोतीलाल ओसवाल आदि) का कहना है कि रिलायंस के मुख्य व्यवसायों के प्रदर्शन ने उनकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। असल कमाई अनुमान से कम रही।

इस टॉप-10 लिस्ट से भी बाहर- इस साल दुनिया में सबसे अधिक कमाई करने वालों की टॉप-10 लिस्ट से भी मुकेश अंबानी बाहर हो गए हैं। इस लिस्ट में अंबानी 9वें स्थान से लुढ़क कर 13वें पर पहुंच गए हैं। सोमवार को लगे 3 अरब डॉलर से अधिक के झटके के बाद अब उनकी इस साल की अबतक की कमाई 12.9 अरब डॉलर रह गई है।

भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता

दोनों देश 24 जुलाई को लगाएंगे मुहर, सालाना कारोबार में 25 अरब पाउंड उछाल की आशा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 24 जुलाई को लंदन में हस्ताक्षर होंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल मौजूद रहेंगे।

दिल्ली में ब्रिटेन उच्चायोग की एक अधिकारी ने बताया कि समझौता होने के बाद दोनों देशों के व्यापार में सालाना 25.5 अरब पाउंड (2.97 लाख करोड़ रुपये) का उछाल आने की उम्मीद है। दोनों देशों ने इसी वर्ष 6 मई को एफटीए वार्ता पूरी होने की घोषणा की थी। व्यापार समझौते में श्रम-प्रधान उत्पादों जैसे चमड़ा, जूते और कपड़ों के निर्यात पर कर हटाने, जबकि ब्रिटेन से व्हिस्की और कारों का आयात सस्ता करने का प्रस्ताव है। पक्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करके 120 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना चाहते हैं। पीएम मोदी बुधवार से ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय यात्रा पर जा रहे हैं।

इस यात्रा का उद्देश्य व्यापार, निवेश और रक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। एफटीए पर हस्ताक्षर होने के बाद, इसे लागू होने से पहले ब्रिटिश संसद और भारत के मंत्रिमंडल की मंजूरी जरूरी होगी। समझौते पर हस्ताक्षर के बाद इसे लागू होने में लगभग एक साल का समय लगेगा।

वार्ता के लिए अगस्त में आएगी अमेरिकी टीम

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अगले दौर की वार्ता के लिए अमेरिकी टीम अगस्त में भारत का दौरा करेगी। इससे पहले भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय टीम ने पिछले हफ्ते वाशिंगटन में समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी की। अमेरिका की ओर से दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच वार्ता का हिस्सा थे। दिल्ली स्थित ब्रिटिश उच्चायोग में दक्षिण एशिया के लिए उप व्यापार आयुक्त, अन्ना शॉटबोल्ट ने कहा, भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में सालाना 25.5 अरब पाउंड की वृद्धि का अनुमान है। उन्होंने कहा, मुक्त व्यापार समझौते के तहत, दोनों देशों के बीच व्यापार किए जाने वाले 90 प्रतिशत सामान पर टैरिफ में कटौती हो जाएगी। शॉटबोल्ट ने कहा, हालांकि, यह केवल टैरिफ के बारे में नहीं है। इससे कई उद्योगों को लाभ होगा। बौद्धिक संपदा वाली कंपनियों को मजबूत कॉपीराइट सुरक्षा मिलेगी और सेवा क्षेत्र को भी लाभ होगा। दोनों पक्षों के श्रमिकों की भी मदद होगी, जिससे अधिक पारदर्शिता और निश्चितता आएगी। उन्होंने हाल ही में नई दिल्ली में उद्योग संगठन पीएचडीसीसीआई के एक कार्यक्रम में यह बातें कहीं।

जेन स्ट्रीट को मिली राहत के बाद 9 कंपनियों के शेयरों में तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। 22 जुलाई यानी आज वेल्थ मैनेजमेंट लिस्टेड फर्म, ब्रोकरेज फर्म वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। इस तेजी के पीछे की वजह जेन स्ट्रीट को मिली राहत के बाद दर्ज की गई है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने 22 जुलाई को इस बात की पुष्टि की जेन स्ट्रीट पर लगे

प्रतिबंध को कुछ कंड़ीशन्स के हटा लिया गया है। बता दें, निफ्टी कैपिटल मार्केट इंडेक्स आज करीब आधे प्रतिशत की तेजी के साथ 4701 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। कंपनी के शेयरों में यह तेजी लगातार दूसरे कारोबारी दिन देखने को मिली है।

सेबी का क्या था औपचारिक बयान- 21 जुलाई के एक्सचेंज ने दी जानकारी में कहा था कि जेन स्ट्रीट की संस्थाओं को निर्देश दिया गया है कि वो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर किसी भी धोखाधड़ी, हेरफेर और अनुचित तरीके से हो रही ट्रेडिंग आदि में शामिल होने से बचें। साथ रेगुलेटरी के नियमों का उल्लंघन ना करें। बता दें, स्टॉक एक्सचेंज को यह निर्देश दिया गया है कि वो जेन स्ट्रीट पर कड़ी नजर बनाए रखें। उनके लेन-देन पर सेबी की जांच पूरी होने तक नजर बनाए रखें।

[redacted]

एंजल वन और नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट के शेयरों का भाव करीब 3 प्रतिशत चढ़ गया। इस उछाल के बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में क्रमश: 2782 रुपये और 7824 रुपये प्रति शेयर तक पहुंच गया।

आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर

कर्ज के बदले 64 करोड़ की रिश्वत मामले में दोषी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के एक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर को भ्रष्टाचार का दोषी पाया है। ट्रिब्यूनल के मुताबिक, चंदा ने विडियोकॉन समूह को 300 करोड़ का कर्ज मंजूर करने के बदले में 64 करोड़ की रिश्वत ली। यह रकम उनके पति दीपक कोचर की कंपनी को दी गई थी, जो विडियोकॉन से जुड़ी थी।

[redacted]

जुलाई 2025 में आए फैसले में ट्रिब्यूनल ने साफ किया कि रिश्वत का लेन-देन एकदम साफ था। आईसीआईसीआई बैंक ने जब 27 अगस्त, 2009 को विडियोकॉन को 300 करोड़ दिए, तो अगले ही दिन विडियोकॉन की कंपनी एसईपीएल ने दीपक कोचर की

कंपनी न्यूपावर रिन्यूएबल्स (एनआरपीएल) को 64 करोड़ भेज दिए। ट्रिब्यूनल ने इसे क्विड प्रो क्वो (एक तरकीब) बताया, जहां कर्ज के बदले रिश्वत दी गई।

[redacted]

टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक ट्रिब्यूनल ने चंदा कोचर पर बैंक के नियम तोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्ज मंजूर करते वक्त यह नहीं बताया कि उनके पति का विडियोकॉन के साथ कारोबारी रिश्ता है। यह बैंक के हितों के टकराव (कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट) नियमों का उल्लंघन था। ट्रिब्यूनल ने कहा, चंदा कोचर यह नहीं कह सकतीं कि उन्हें अपने पति के कामकाज की जानकारी नहीं थी।

जब्त संपत्ति पर फैसला

इस मामले में जांच एजेंसी ईडी ने कोचर दंपति की 78 करोड़ की संपत्ति जब्त की थी, जिसे ट्रिब्यूनल ने सही ठहराया। इसमें मुंबई के चर्चगेट स्थित उनका फ्लैट भी शामिल है, जिसे विडियोकॉन से जुड़ी कंपनियों के जरिए खरीदा गया था। हालांकि, 10.5 लाख नकदी वापस कर दी गई, क्योंकि उसका स्रोत वैध पाया गया।

अभी भी जारी है कानूनी लड़ाई

चंदा और दीपक कोचर फिलहाल जमानत पर बाहर हैं, लेकिन उन पर मुकदमा चल रहा है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि यह साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि उन्होंने धोखाधड़ी की और बैंक को नुकसान पहुंचाया। विडियोकॉन को दिया गया कर्ज बाद में डूब गया, जिससे आईसीआईसीआई बैंक को भारी नुकसान हुआ।

आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 52 हफ्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंचा

4 एक्सपर्ट्स ने बढ़ाया टारगेट प्राइस

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी है। दिग्गज प्राइवेट बैंक के शेयरों का भाव आज करीब 1 प्रतिशत की उछाल के साथ 52 वीक हाई 1482 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। बता दें, इससे पहले मंगलवार को आईसीआईसीआई बैंक के शेयर बीएसई में 1471.15 रुपये के लेवल पर खुले थे।

क्या है आईसीआईसीआई बैंक का टारगेट प्राइस

आईसीआईसीआई बैंक के तिमाही नतीजों के सामने आने के बाद कई ब्रोकरेज हाउस ने इस स्टॉक को खरीदने की सलाह भी दी है। ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि एक साल में इस बैंकिंग स्टॉक का भाव 1650 रुपये के लेवल तक जा सकता है।

वहीं, एक्सिस सिक्योरिटीज ने 1650 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। ब्रोकरेज ने आउटपरफॉर्म की काल दी है। एचडीएफसी बैंक के बाद यह बैंकिंग स्टॉक ब्रोकरेज हाउस की दूसरी सबसे बड़ी पसंद है।

- **आईसीआईसीआई बैंक के नेट प्रॉफिट में जोरदार इजाफा-** वित्त वर्ष की पहली तिमाही में इस प्राइवेट बैंक का प्रदर्शन अच्छा रहा है। बैंक के नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। अप्रैल से जून 2025 के दौरान आईसीआईसीआई बैंक का नेट प्रॉफिट 12768.21 करोड़ रुपये रहा था। बीते वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 11059.61 करोड़ रुपेय रहा है।

70 प्रतिशत उछल सकता है झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। मोतीलाल ओसवाल ने वीए टेक वाबाग नाम की कंपनी पर अपनी रिसर्च शुरू की है और इसे बाय का रेटिंग दिया है। उनका कहना है कि कंपनी की तरक्की के कई कारण हैं, जैसे उसका बढ़ता हुआ ऑर्डर बुक, मुनाफे में सुधार, और मजबूत मुक्त नकदी (फ्री कैश फ्लो) का बनना।

100 साल पुरानी पानी की माहिर कंपनी

वीए टेक वाबाग एक अग्रणी कंपनी है जो पानी के क्षेत्र में पिछले 100 सालों से काम कर रही है। यह कंपनी वेस्टवाटर यानी गंदे पानी को साफ करने के पूरे काम (डिजाइन, निर्माण, संचालन) में माहिर है। पानी की कमी, बढ़ता प्रदूषण, सख्त पर्यावरण नियम और कारखानों की जरूरतों के कारण यह सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। अनुमान है कि यह बाजार 2023 के 329 अरब डॉलर से बढ़कर 2032 तक 576 अरब डॉलर का हो जाएगा।

झुनझुनवाला परिवार का हिस्सा और शेयर का सफर

ट्रेंडलाइन के आंकड़ों के मुताबिक, दिवंगत निवेशक राकेश झुनझुनवाला की पत्नी, रेखा झुनझुनवाला, जून 2025 तिमाही के अंत तक कंपनी में 8.04 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती थीं। कंपनी के शेयर लगातार तीन महीने गिरने के बाद मार्च में फिर चढ़ाई पर आ गए हैं और इस महीने में अब तक 27.6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की है।

मजबूत ऑर्डर बुक

कंपनी ने पिछले कुछ सालों में अपना ऑर्डर बुक लगातार बढ़ाया है। मोतीलाल के मुताबिक, कंपनी के पास इस वक्त 13,700 करोड़ रुपये का ऑर्डर बुक है, जो उसकी आने वाले साल (वित्तवर्ष 2025) की अनुमानित कमाई से 4.2 गुना ज्यादा है! इसके अलावा, उसके पास 15,000 से 20,000 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर हासिल करने का मौका (बिड पाइपलाइन) भी तैयार है।

इस मजबूत ऑर्डर बुक की वजह से अगले 3-4 सालों में कंपनी की कमाई सालाना 15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इस ऑर्डर बुक में लंबी अवधि (5-20 साल) के संचालन और रखरखाव के प्रोजेक्ट्स (39 प्रतिशत) और छोटी अवधि (2-3 साल) के निर्माण प्रोजेक्ट्स (52 प्रतिशत) का अच्छा मिश्रण है। कंपनी बड़े प्रोजेक्ट्स कर सकती है, लेकिन वह सोच-समझकर ही बोली लगाती है, उसकी सफलता दर (विन रेश्यो) 25-30 प्रतिशत है।

कर्जमुक्त होकर बने मुनाफे के मास्टर- मोतीलाल ने कंपनी के वित्तीय स्वास्थ्य में हुए जबरदस्त सुधार पर भी जोर दिया है। कंपनी ने पिछले पांच सालों में अपनी मुक्त नकदी (फ्री कैश फ्लो) की स्थिति पूरी तरह बदल ली है।

आरबीआई के ब्याज दर घटाने से...

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है कि हाल के दिनों में केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दरों में की गई कटौती कोई 'जादुई की गोली' नहीं है जो एकदम से निवेश को बढ़ावा दे। अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में कई अन्य कारक भी भूमिका निभाते हैं। राजन ने कहा कि इस समय ब्याज दर बहुत ज्यादा नहीं हैं और आरबीआई की कटौती का असर दिखने में समय लगेगा।

क्या बोले राजन

उन्होंने पीटीआई-वीडियो से बातचीत मे कहा, ''... पहले उच्च ब्याज दर को लेकर एक तर्क था, लेकिन मुझे नहीं लगता कि अब यह तर्क बना रह सकता है।'' राजन ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि आरबीआई द्वारा नीतिगत दर में कटौती निवेश को बढ़ावा देने के लिए कोई जादुई गोली साबित होगी।'' बता दें कि आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति ने छह जून को प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 0.5 प्रतिशत की कटौती की। इससे फरवरी से लेकर

देश की अर्थव्यवस्था पर क्या बोले रघुराम राजन

अबतक रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती हो चुकी है। इसके अलावा, नीतिगत रुख को उदार से बदलकर न्यूट्रल कर दिया गया।

भारतीय उद्योग निवेश करते नहीं दिख रहे- यह पूछे जाने पर कि क्या हाल में आरबीआई द्वारा रेपो दर में कटौती से कंपनियां अपनी निवेश योजनाओं को बढ़ाने के लिए प्रेरित होंगी, जाने-माने अर्थशास्त्री ने कहा, ''अधिक पारदर्शी चीजें और विभिन्न क्षेत्रों में अधिक प्रतिस्पर्धा से उद्योग जगत अपने लाभ और नेतृत्व को बनाए रखने के लिए निवेश पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित होंगे।''

उन्होंने कहा, ''इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यह केवल ब्याज दर की बात है। मुझे लगता है कि इसके पीछे कई कारक हैं... लेकिन मुझे उम्मीद है कि आगे और अधिक कंपनियों के निवेश आएंगे।'' राजन ने कहा कि वैश्विक वित्तीय संकट से पहले हुए बड़े पैमाने पर निवेश के बाद से भारतीय उद्योग निवेश करते नहीं दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, ''वे (भारतीय उद्योग) बहुत ज्यादा सतर्क हो गए हैं और वे यह नहीं कह सकते कि घरेलू अर्थव्यवस्था की ऐसी हालत है। पहले वे कहते थे कि निम्न मध्यम वर्ग खर्च नहीं कर रहा है, ग्रामीण क्षेत्र खर्च नहीं कर रहा है।''

खुलने से पहले ही 92 प्रीमियम पर पहुंचा जीएमपी

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। इन दिनों एक के बाद एक आईपीओ निवेश के लिए ओपन हो रहे हैं। इनमें से एक - जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का आईपीओ भी है। कंपनी का यह इश्यू 23 जुलाई को खुलेगा। निवेशक इसमें 25 जुलाई तक पैसे लगा सकेंगे। इसका प्राइस बैंड 237 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 92 के प्रीमियम पर उपलब्ध हैं। यानी लिस्टिंग पर 39 प्रतिशत तक का मुनाफा हो सकता है।

क्या है डिटेल

कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा है कि जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड बुधवार को इक्विटी शेयरों के अपने आईपीओ के संबंध में प्रस्ताव

खोलेगी। एंकर निवेशक प्रस्ताव खोलने की तिथि से एक कार्य दिवस पहले है, जो 22 जुलाई है। प्रस्ताव की अंतिम तिथि शुक्रवार है। कुल ऑफर साइज में दो रुपये फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयरों का नया निर्गम शामिल है, जिसका कुल मूल्य 400 करोड़ रुपये तक है तथा दो रुपये अंकित मूल्य वाले 2,550,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है।

कंपनी की योजना

इस आईपीओ का प्राइस बैंड 225 रुपये से 237 रुपये प्रति इक्विटी शेयर निर्धारित किया गया है। न्यूनतम 63 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 63 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगायी जा सकती हैं। कंपनी ने शुद्ध आय का उपयोग कंपनी और उसकी सहायक कंपनी अर्थात इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार एफजेडसी द्वारा लिये गये कुछ बकाया उधारों के सभी या कुछ भाग के पूर्व भुगतान और/ या पुनर्भुगतान, पूर्ण या आंशिक रूप से तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव किया है।

यूएस ओपन

ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने यूएस ओपन से नाम वापस लिया

कोहनी की चोट के कारण लिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया में छठी रैंकिंग की खिलाड़ी झेंग पिछले महीने विंबलडन में पहले दौर में हार गई थीं। झेंग ने कहा कि उन्हें लग रहा था कि उन्हें ठीक होने में महीनों लगेंगे, इसलिए यह सुनिश्चित हो गया था कि वह 24 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन में भाग नहीं ले पाएंगी। ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने वर्ष के अंतिम ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन से नाम वापस ले लिया है। झेंग कोहली की चोट से जूझ रही हैं जिस कारण वह इस टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। यूएस ओपन 24 अगस्त से शुरू होगा। चीन की इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने दो दिन पहले घोषणा की थी कि उनकी दाहिनी कोहनी की लगातार दर्द के कारण आर्थोस्कोपिक सर्जरी हुई है। दुनिया में छठी रैंकिंग की खिलाड़ी झेंग पिछले महीने विंबलडन में पहले दौर में हार गई थीं। झेंग ने कहा कि उन्हें लग रहा था कि उन्हें ठीक होने में महीनों लगेंगे, इसलिए यह सुनिश्चित हो गया था कि वह 24 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन में भाग नहीं ले पाएंगी। यूएस ओपन में उनकी जगह फ्रांस की लेओलिया जीनजीन को मुख्य ड्रॉ में शामिल किया गया है।

टाईब्रेकर में जीत से दिव्या शतरंज विश्वकप के सेमीफाइनल में

वूमेंस चेस कप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिव्या ने टाईब्रेकर की पहली बाजी सफेद मोहरों से, जबकि दूसरी बाजी काले मोहरों से जीतीं। दोनों के बीच क्लासिकल प्रारूप की बाजियां बराबरी पर छूटी थीं। दिव्या पहली बार विश्वकप में खेल रही हैं। अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख ने शतरंज विश्वकप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। उन्होंने टाईब्रेकर में हमवतन द्रोणावल्ली हरिका को हराया। 19 साल की दिव्या ने टाईब्रेकर की पहली बाजी सफेद मोहरों से, जबकि दूसरी बाजी काले मोहरों से जीतीं। दोनों के बीच क्लासिकल प्रारूप की बाजियां बराबरी पर छूटी थीं। दिव्या पहली बार विश्वकप में खेल रही हैं। दिव्या से पहले 37 वर्षीय कोनेरू हंपी भी सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। दिव्या को सेमीफाइनल में चीन की तान जोंग्यी से और हंपी की चीन की ही ली टिंग जी से टक्कर होगी।

शीर्ष तीन को मिलेगा कैंडिडेट्स का टिकट- यह पहली बार है जब दो भारतीय खिलाड़ियों ने विश्वकप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। हंपी और दिव्या के पास कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने का बेहतरीन मौका है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ब्रायन म्ब्यूमो के साथ 5 साल का अनुबंध किया

लंदन, एजेंसी। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ब्रेंटफोर्ड के फॉरवर्ड ब्रायन म्ब्यूमो के साथ जून 2030 तक के लिए अनुबंध किया है। यह अनुबंध 65 मिलियन पाउंड (करीब 88 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में हुआ, जिसमें एक साल के विस्तार का विकल्प भी शामिल है। कैमरून के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी म्ब्यूमो इस समर ट्रांसफर विंडो में यूनाइटेड की ओर से साइन किए गए तीसरे खिलाड़ी हैं।

इससे पहले क्लब ने स्ट्राइकर मैथियस कुन्हा और डिफेंडर डिएगो लियोन को टीम में शामिल किया था। म्ब्यूमो ने क्लब की आधिकारिक वेबसाइट पर कहा, जैसे ही मुझे पता चला कि मैनचेस्टर यूनाइटेड में शामिल होने का मौका है, मैंने अपने सपनों के क्लब के में शामिल होने का फैसला किया। मैं बचपन में इस टीम की जर्सी पहनता था। उन्होंने आगे कहा, मेरी हमेशा यही सोच होती है कि मैं कल से बेहतर बनूं। पता है कि मुझमें वह जज्बा है, जिससे मैं यहां एक नया स्तर हासिल कर सकता हूं। सभी ने मुझे यहां बन रहे माहौल और भविष्य के लिए रोमांचक योजनाओं के बारे में बताया। यह शानदार स्टेडियम और जबरदस्त फैंस के साथ एक बड़ा क्लब है। हम सभी सबसे बड़े खिताबों के लिए चुनौती पेश करने को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। म्ब्यूमो गुरुवार से शुरू हो रहे मैनचेस्टर यूनाइटेड के अमेरिका दौरे का हिस्सा हो सकते हैं, जो प्री-सीजन के तहत आयोजित किया जा रहा है। ब्रायन म्ब्यूमो ने ब्रेंटफोर्ड के लिए 242 मुकाबलों में 70 गोल करने के साथ 51 असिस्ट दिए। इनमें से 20 गोल पिछले सीजन में आए। पिछले सीजन में 25 वर्षीय म्ब्यूमो ने प्रीमियर लीग में 20 गोल दागे, जो लीग में चौथे सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड था। इसके साथ ही उन्होंने 8 असिस्ट भी दिए। ब्रेंटफोर्ड के शीर्ष लीग में प्रमोशन के बाद से, म्ब्यूमो ने प्रति सीजन औसतन 18 गोल किए, जो एक बेहद प्रभावशाली रिकॉर्ड है।

सोलन की निधि ठाकुर ने 800 मीटर दौड़ व सिरमौर की दीक्षिता ने किक बॉक्सिंग में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलन जिले की निधि ठाकुर ने बिहार के पटना में राष्ट्रीय स्तर की ओपन एथलेटिक्स मीट में गोल्ड मेडल हासिल किया है। निधि ने 800 मीटर की दौड़ में सफलता हासिल की। बीते एक वर्ष से निधि ऊना में खेल विभाग के कोच राकेश चौधरी के पास प्रशिक्षण हासिल कर रही हैं। ऊना कॉलेज में एमए अंग्रेजी की द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। निधि इससे पहले बिलासपुर में भी राकेश चौधरी से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं थी। उनका तबादला यहां होने के बाद से वह अपने उम्दा प्रदर्शन

को जारी नहीं रख पाईं। आखिरकार बीते वर्ष निधि यहां ऊना आकर फिर से कोच राकेश से प्रशिक्षण पाकर कड़ी मेहनत में जुट गईं। अब राष्ट्रीय स्तर की ओपन प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल किया। निधि सोलन के अर्की तहसील के गांव खनोल की रहने वाली हैं, उनके पिता जतिंदर ठाकुर पेशे से चालक हैं माता सुनीता ठाकुर हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में हुई राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में दीक्षिता चौहान ने गोल्ड मेडल जीता है। उनका चयन आबूधाबी में नवंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए हुआ है। मूल रूप से टिक्कर डिसवानी निवासी दीक्षिता चौहान ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। पहले भी दीक्षिता राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार जीत का परचम लहरा चुकी हैं। विपरीत आर्थिक और पारिवारिक परिस्थितियों के बावजूद दीक्षिता ने हार नहीं मानी। पिता का सिर से साया उठ चुका है। वह चार बहनें हैं। मां ने किसी तरह पालन पोषण किया। तीन बहनों की शादी हो चुकी है और दीक्षिता अब मां के साथ रहती हैं।

वीनस विलियम्स ने 16 महीने के अंतराल के बाद

जीता पहला पेशेवर मैच

वॉशिंगटन, एजेंसी। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स ने 16 महीनों के लंबे अंतराल के बाद अपना पहला पेशेवर टेनिस मैच जीत लिया है। विलियम्स ने हैली बैप्टिस्ट के साथ जोड़ी बनाते हुए डीसी ओपन के पहले दौर में डबल्स वाइल्ड कार्ड जोड़ी यूजिनी बूचार्ड और क्लरवी नगुनुए को शिकस्त दी। यह एक बड़ा उलटफेर था। 3-1 से पिछड़ने और ब्रेक प्वाइंट का सामना करने के बाद, वीनस और बैप्टिस्ट ने वापसी करते हुए आखिरी 12 में से 11 गेम जीते। साल 2022 में पहले दौर में हार के बाद, यह डीसी टूर्नामेंट में वीनस की दूसरी उपस्थिति है।

45 वर्षीय पूर्व विश्व नंबर-1 वीनस विलियम्स ने इस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री ली थी। उन्होंने मार्च 2024 के मियामी ओपन के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला था। उनकी पिछली जीत अगस्त 2023 में सिनसिनाटी ओपन में आई थी। वीनस ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, कोर्ट पर वापसी प्रेरणादायक थी। मुझे अब भी यह खेल बेहद पसंद है। मैं अब भी दमदार शॉट्स लगा रही हूं। मुझे पहले ही प्वाइंट से लग गया था कि हम एक अच्छी टीम हैं। हमें वर्षों पहले ही यह जोड़ी बना लेनी चाहिए थी। वर्तमान में वीनस की कोई आधिकारिक रैंकिंग नहीं है। उन्होंने अपनी बहन सेरेना विलियम्स के साथ मिलकर महिला डबल्स में 14 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। विलियम्स बहनों ने कई वर्षों तक टेनिस की दुनिया पर दबदबा बनाए रखा है। मंगलवार को वीनस सिंगल्स प्रतियोगिता के पहले दौर में एक और अमेरिकी खिलाड़ी, पेटन स्टर्न्स का सामना करेंगी। इस मुकाबले में वाइल्ड कार्ड एंट्री के साथ कोर्ट पर उतरते ही वीनस डब्ल्यूटीए टूर-स्तरीय मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगी। इससे पहले 46 वर्ष की उम्र में किमिको डेटे ने सात साल पहले टोक्यो में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं, पुरुष एकल में ब्रिटेन के डैन इवांस और कैमरन नॉरी वाशिंगटन में दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। साल 2023 में वाशिंगटन का खिताब जीतने वाले इवांस ने जिजो बर्ग्स के खिलाफ 3-6, 6-4, 6-3 से कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। 35 वर्षीय वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी का अगला मुकाबला 13वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी एलेक्स मिशेलसन से होगा। इस बीच, कैमरून नोरी ने ब्रिटिश क्वालीफायर बिली हैरिस को 6-3, 7-6 (7-4) से हराया और दूसरे दौर में उनका सामना फ्रेंच ओपन सेमीफाइनलिस्ट और दूसरी वरीयता प्राप्त इटली के लोरेंजो मुसेट्टी से होगा।

कनेडियन ओपन

सिनर और जोकोविच के बाद कार्लोस अल्कारेज भी टोरंटो मास्टर्स से हटे, जानें किस कारण लिया फैसला

टोरंटो, एजेंसी। अल्कारेज से पहले दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, छठे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और पांचवें नंबर के खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने अगले सप्ताह शुरू होने वाली इस हार्ड कोर्ट प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया था। विश्व के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस

अल्कारेज ने टोरंटो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन की तैयारियों से पहले इस एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में अल्कारेज के नहीं खेलने से इसकी चमक फीकी पड़ गई है। अल्कारेज पहले ऐसे खिलाड़ी नहीं है जिन्होंने इस टूर्नामेंट से नाम वापस लिया है। अल्कारेज से पहले दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, छठे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और पांचवें नंबर के खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने अगले सप्ताह शुरू होने वाली इस हार्ड कोर्ट प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया था। पांच बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन अल्कारेज विंबलडन के फाइनल में सिनर से हार गए थे और इस तरह से ऑल इंग्लैंड क्लब में लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूक गए थे। अल्कारेज ने बताया कि उन्होंने थकान के कारण टोरंटो मास्टर्स से हटने का फैसला किया है।

शतरंज विश्व कप 2025 की मेजबानी भारत को मिलना गौरव का पल :मनसुख मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत 30 अक्टूबर से 27 नवंबर तक शतरंज विश्व कप 2025 की मेजबानी करेगा। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को भारत को मेजबानी मिलने पर खुशी जाहिर की। केंद्रीय मंत्री मनसुख

मांडविया ने भारत को फिडे विश्व कप 2025 की मेजबानी मिलने पर खुशी जताते हुए इसे गौरव का पल बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 30 अक्टूबर से 27 नवंबर तक प्रतिष्ठित फिडे विश्व कप 2025 की मेजबानी करना भारत के लिए अत्यंत गौरव की बात है। यह ऐतिहासिक आयोजन भारत की शतरंज यात्रा में एक नई ऊंचाई का प्रतीक है और वैश्विक शतरंज की बिसात पर हमारे बढ़ते कद को दर्शाता है। इससे पहले फिडे ने भारत को मेजबानी की घोषणा की। वहीं, मेजबान शहरों की घोषणा बाद में की जाएगी।

2025 विश्व कप में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगे, जो विश्व शतरंज चैंपियनशिप के लिए दावेदार का निर्धारण करेगा। फिडे ने एक बयान में कहा, प्रतिष्ठित फिडे विश्व कप इस साल भारत आ रहा है। 30 अक्टूबर से 27 नवंबर, 2025 तक आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के प्रतिष्ठित खिताब और क्वालिफिकेशन स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

मेजबान शहर की घोषणा सहित अन्य विवरण समय आने पर जारी किए जाएंगे। भारत ने हाल ही में कई बड़े आयोजनों की मेजबानी की है, जिनमें फिडे शतरंज ओलंपियाड 2022, टाटा स्टील शतरंज इंडिया, फिडे विश्व जूनियर अंडर-20 चैंपियनशिप 2024 और फिडे महिला ग्रां प्री का पांचवां चरण (अप्रैल 2025) शामिल हैं।

विराट कोहली ने की इंग्लैंड के खिलाड़ी की मदद

दोहरा शतक ठोका, बनाए 848 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के क्रिकेटर हसीब हमीद इस वक्त कमाल की फॉर्म में हैं. इस खिलाड़ी ने काउंटी चैंपियनशिप में कमाल का प्रदर्शन किया है. नॉटिंघमशर के कप्तान ने अब खुलासा किया है कि उनकी बैटिंग में तो दम दिखाई दे रहा है उसका श्रेय विराट कोहली को भी जाता है. हसीब हमीद ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि विराट कोहली ने उनकी काफी मदद की है. बल्लेबाजी को लेकर उनका जो भी सवाल था उसका उन्हें विराट से जवाब मिला. हसीब हमीद ने बताया कि खुद विराट कोहली ने उन्हें अपना फोन नंबर देकर कहा कि जब जरूरत हो फोन कर लेना.

हसीब हमीद 3 सालों से इंग्लैंड की टीम से बाहर

हसीब हमीद ने साल 2016 में टेस्ट डेब्यू किया था और वो 2022 के बाद से इंग्लैंड की टीम से बाहर हैं. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 10 मैचों में 439 रन बनाए, उनके बल्ले से 4 अर्धशतक निकले. हमीद का औसत सिर्फ 24.38 का रहा और इसीलिए उन्हें इंग्लिश टीम से हटा दिया गया.

विराट ने की हमीद की मदद

विराट कोहली ने कैसे और क्यों हसीब हमीद की मदद की इसपर इंग्लैंड के इस क्रिकेटर ने कहा, 'विराट कोहली हमेशा से ही काफी मददगार रहे हैं. जब भी मुझे बल्लेबाजी को लेकर कुछ पूछना होता था तो उन्होंने मेरी मदद की. मैं उनका काफी सम्मान करता हूं. उन्होंने मुश्किल वक्त पर मेरी मदद की है.' हमीद ने कहा कि साल 2016 में हुए राजकोट टेस्ट के बाद खुद विराट कोहली ने उन्हें अपना नंबर देकर मदद की पेशकश की जो कि उनके बड़प्पन को दिखाता है.

बूम बूम बुमराह का फिर चलेगा मैजिक...

मैनचेस्टर टेस्ट में बना सकते हैं 2 धाकड़ रिकॉर्ड, पीछे छूटेंगे वसीम अकरम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच बुधवार (23 जुलाई) से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर टेस्ट मुकाबला खेला जाना है. इस मुकाबले में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के भी खेलने की संभावना है. बुमराह ने लीड्स और लॉर्ड्स में खेले गए मुकाबलों में हिस्सा लिया था, जबकि बर्मिंघम टेस्ट मैच से वो बाहर रहे थे. टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ कर दिया था कि बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत इंग्लैंड दौरे पर केवल तीन टेस्ट मैच खेलेंगे. ऐसे में बुमराह इस दौरे पर शायद अपना आखिरी मैच खेलते नजर आ सकते हैं.

मोहम्मद सिराज ने सोमवार को मैनचेस्टर में कहा, अभी तक हम केवल इतना जानते हैं कि जस्सी (बुमराह) भाई खेलेंगे. उनसे भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के बारे में पूछा गया

था, क्योंकि आकाश दीप और अर्शदीप सिंह चोटिल हैं. जसप्रीत बुमराह मैनचेस्टर टेस्ट मैच में दो बड़े रिकॉर्ड भी अपने नाम कर सकते हैं. बुमराह के पास इंग्लैंड में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बनने का है. बुमराह ने इंग्लैंड में अब तक 11 टेस्ट मैचों में 49 विकेट लिए हैं. पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम फिलहाल इंग्लैंड में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई बॉलर हैं. अकरम ने इंग्लैंड में 14 टेस्ट मैच खेलकर 53 विकेट लिए थे. यानी बुमराह को अकरम का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए सिर्फ 5 विकेट और चाहिए. पहले ये अनुमान लगाया जा रहा था कि जसप्रीत बुमराह मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर होने वाले तीन टेस्ट मैच से रेस्ट लेंगे, जबकि ओवल टेस्ट मैच में वो खेलेंगे. लेकिन आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के इंजर्ड होने के चलते बुमराह को अब शायद आराम नहीं मिलेगा. अर्शदीप बाएं हाथ के अंगूठे में लगी चोट के कारण चौथे टेस्ट से बाहर हो चुके हैं. वहीं आकाश दीप का खेलना काफी मुश्किल है, जो ग्रोइन इंजरी से जूझ रहे हैं.

सेना कंट्रीज में सर्वाधिक पांच विकेट हॉल (एशियाई गेंदबाज)

जसप्रीत बुमराह (भारत)- 33 टेस्ट, 157 विकेट, 11 बार 5 विकेट हॉल

वसीम अकरम (पाकिस्तान)- 32 टेस्ट, 146 विकेट, 11 बार 5 विकेट हॉल

मुथैया मुरलीधरन (श्रीलंका)- 23 टेस्ट, 125 विकेट, 10 बार 5 विकेट हॉल

बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह दो बार पारी में पांच विकेट हॉल ले चुके हैं. ये पांच विकेट हॉल उन्होंने लीड्स और लॉर्ड्स टेस्ट मैच में लिए थे. अब बुमराह का मैजिक मैनचेस्टर टेस्ट मैच में भी देखने को मिल सकता है. फिलहाल टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 1-2 से आगे है. ऐसे में मैनचेस्टर टेस्ट जीतकर भारतीय टीम के पास सीरीज को 2-2 से बराबरी करने का मौका है. हालांकि इसके लिए शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम को तीनों डिपार्टमेंट में अच्छा प्रदर्शन करना होगा.

वसीम अकरम का ये रिकॉर्ड भी तोड़ेंगे बुमराह?

जसप्रीत बुमराह के पास वसीम अकरम को एक और मामले में पछाड़ने का मौका है. दरअसल बुमराह अब तक सेना (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) कंट्रीज में 11 बार टेस्ट पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट ले चुके हैं. अकरम के नाम भी सेना कंट्रीज में इतने ही पांच विकेट हॉल हैं. फिलहाल बुमराह और अकरम सेना कंट्रीज में सबसे ज्यादा बार पांच विकेट हॉल लेने वाले एशियाई गेंदबाजों की सूची में संयुक्त रूप से टॉप पर हैं. अगर बुमराह मैनचेस्टर टेस्ट में 5 विकेट हॉल ले लेते हैं, तो वो सेना कंट्रीज में सबसे ज्यादा बार टेस्ट पारी में पांच विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाजों में अकेले टॉप पर काबिज हो जाएंगे.

मांसपेशियां और मस्कारा दोनों ही बरकरार रहते हैं: सोहा अली खान

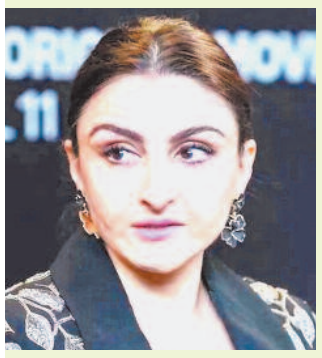

शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाली अभिनेत्री सोहा अली खान फिटनेस के साथ-साथ हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए भी चर्चा में बनी रहती हैं। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया पर जिमिंग वीडियो शेयर की। अभिनेत्री ने एक्टिंग के दम पर दर्शकों के बीच एक अलग पहचान बनाई है। हालांकि वह अब बड़े पर्दे पर कम दिखाई देती हैं, लेकिन अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए इंस्टाग्राम पर सक्रिय रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की है, जिसमें वह जिम में पसीना बहाती नजर आ रही हैं। जिम गर्ल और फिटनेसमोटिवेशन हैशटैग के साथ लिखा, मांसपेशियां और मस्कारा- दोनों बरकरार रहते हैं, भले ही हम इसे बार-बार ठीक करते रहें। सोहा अक्सर अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफ की झलक सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर अपनी मॉर्निंग वेलनेस की एक झलक शेयर की थी। अभिनेत्री ने पोस्ट के जरिए बताया कि वह दिन की शुरुआत एक डिटॉक्सिफाइंग ड्रिंक से करती हैं, जो उन्हें पूरे दिन तरोताजा महसूस कराता है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह सफेद कद्दू का जूस पीती नजर आ रही हैं। सोहा ने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा,सेल्फ लव बेहद जरूरी है! मैं पिछले तीन महीनों से हर सुबह खाली पेट सफेद कद्दू का जूस पीती आ रही हूं। यह जूस पेट के लिए फायदेमंद होता हैं। अभिनेत्री ने बैकग्राउंड में माइली साइरस का गाना फ्लावर्स एड किया है। अभिनेत्री ने अभिनेता कुणाल खेमू संग साल 2015 में शादी की थी।

सिनेमा के रखवाले

अपने ही एक फिल्म फेस्टिवल को जीवित रखने में नाकाम: हंसल मेहता

सिनेमा के तथाकथित रखवाले, जो सिर्फ चमक-दमक वाले मंचों और सुरक्षित दांवों की तलाश में रहते हैं, उन्होंने इसे कुछ जुनूनी लोगों के भरोसे छोड़ दिया, न कोई समारोह है, न कोई गुस्सा। बस एक धीमी, खामोश, गुमनामी। जिसे हमारी संस्कृति का एक मजबूत स्तंभ होना चाहिए था, वह अब बस एक फुटनोट बनकर रह गया है। प्रगति के नाम पर उपेक्षा का एक और शिकार। मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल लगभग तीन दशकों से फिल्म जगत में एक प्रमुख स्थान रखता है। हालांकि, आयोजकों ने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर इस साल के महोत्सव के रद्द होने की जानकारी दी। महोत्सव के निर्देशक शिवेंद्र सिंह डूंगरपुर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर किया था, जिसमें उन्होंने लिखा, आपको सूचित करता हूं कि मामी मुंबई फिल्म महोत्सव 2025 का संस्करण इस साल आयोजित नहीं किया जाएगा। हम एक महोत्सव को नई टीम के साथ नया रूप देने की प्रक्रिया में हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह महोत्सव भारत और दुनियाभर के सर्वश्रेष्ठ स्वतंत्र, क्षेत्रीय और क्लासिक सिनेमा के एक प्रमुख प्रदर्शन के रूप में लौटे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वे अगले साल महोत्सव के एक नए संस्करण के साथ वापस आएंगे। उन्होंने आगे कहा, हम महोत्सव को पुनर्निर्धारित करने के लिए पूरी लगन से काम कर रहे हैं और 2026 संस्करण की नई तारीखों की घोषणा जल्द से जल्द करेंगे।

फिल्म निर्माता हंसल मेहता ने मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल 2025 के रद्द होने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे एक क्रूर विडंबना बताया कि सिनेमा के रखवाले अपने ही एक फिल्म फेस्टिवल को जीवित रखने में नाकाम रहे। निर्माता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह कितनी अजीब विडंबना है कि भारत की आर्थिक और फिल्मी राजधानी मुंबई, जो अपनी चकाचौंध के लिए जानी जाती है, खुद अपना एक फिल्म समारोह भी कायम नहीं रख पाई।

पवन कल्याण नहीं करेंगे 'हरि हर वीर मल्लु' का प्रचार

पवन कल्याण की आगामी फिल्म हरि हर वीर मल्लु का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। अब फिल्म निर्माताओं ने बताया है कि पवन कल्याण फिल्म का प्रचार नहीं करेंगे, जो उनके फैंस के लिए काफी निराशाजनक बात है। मेकर्स ने इसकी वजह भी बताई है। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म के प्रचार से क्यों बनाई दूरी। हरि हर वीर मल्लु के निर्माताओं ने हाल ही में मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उनसे सवाल किया गया कि क्या अभिनेता पवन कल्याण फिल्म के दौरान मौजूद रहेंगे। इसके जवाब में मेकर्स ने कहा, कृपया फिल्म का आनंद लेने के लिए देखें, न कि सिर्फ गलतियां ढूंढ़ने के लिए। यह फिल्म दर्शकों के लिए बनाई गई है। पवन कल्याण अपनी अन्य चीजों में व्यस्त हैं और इसलिए वो हिंदी और अन्य भाषाओं में फिल्म का प्रचार नहीं करेंगे।' पवन कल्याण सिर्फ अभिनेता ही नहीं, बल्कि राजनेता भी हैं।

राशा थडानी को पसंद आई 'सैयारा'

● अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी लगी शानदार

एक्टर अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर सैयारा को दर्शकों के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री के सितारों से भी खब प्यार मिल रहा है। इसके लिए फिल्म की टीम, खासकर लीड जोड़ी अहान पांडे और अनीत पड्डा को बधाइयां मिल रही हैं। अभिनेत्री राशा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उनकी जोड़ी को सराहा और दोनों की जोड़ी को शानदार बताया। 'आजाद' से डेब्यू करने वाली अभिनेत्री राशा थडानी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर 'सैयारा' की लीड जोड़ी की जमकर तारीफ की। उन्होंने अहान की तारीफ करते हुए लिखा, डियर, तुम चमकने के लिए बने हो! तुम खास हो, मुझे गर्व है कि दुनिया को तुम्हारा टैलेंट देखने को मिल रहा है। काश मैं कल वहां होती तुम्हें सपोर्ट करने और काश मैं प्रशंसकों का प्यार तुम्हारे लिए उमड़ते देखने के लिए वहां मौजूद होती, तुम इस प्यार-सम्मान के हकदार हो। राशा ने अनीत पड्डा की भी प्रशंसा की और लिखा, अनीत पड्डा, तुम्हें स्क्रीन पर देखकर बहुत अच्छा लगा, तुम जादू हो! तुम्हारी आवाज बेहद खूबसूरत है! तुम लड़कियों के लिए प्रेरणा हो। तुम्हारी अभिव्यक्ति की कला एक तोहफा है। मोहित सूरी, मैं आपसे सीख रही हूं। आपने मेरा दिल खुशी से भर दिया। 'सैयारा' की खूबसूरत दुनिया से रूबरू कराने के लिए धन्यवाद। सिनेमा को कला से सजाने और हमें भावनाओं से जोड़ने के लिए शुक्रिया।

मनोरंजन जगत में बने रहने के लिए

लोगों से जुड़ना जरूरी: आशी

आशी ने कहा, आज के समय में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रहने के लिए मुझे लगता है कि प्रोजेक्ट्स पर काम करना जरूरी नहीं है, बल्कि लगातार लोगों से कनेक्ट रहना जरूरी होता है। इसीलिए मैं लोगों से कनेक्ट रहने के लिए इंस्टाग्राम का इस्तेमाल करती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि वह जब किसी प्रोजेक्ट पर काम नहीं कर रही होती, तो सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं। उन्होंने आगे कहा, जब मैं किसी प्रोजेक्ट पर काम नहीं कर रही होती, तो मैं इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हो जाती हूं ताकि लोग मुझे देख सकें और मैं उन लोगों से बातचीत कर सकूं। मुझे लगता है कि मैं इसी तरह से प्रासंगिक बनी रहती हूं, और अगर मैं एक्टिव नहीं रह पाती, तो शायद कुछ महीनों से ऐसा प्रोजेक्ट करने लगती जो मुझे सुर्खियों में ला दे। इसलिए मैं ज्यादा परेशान नहीं रह पाती। बता दें, अभिनेत्री फिलहाल सोनी सब के रोमांटिक कॉमेडी शो उफ्फ...ये लव है मुश्किल में नजर आ रही हैं। इस शो में आशी शब्बीर अहलूवालिया भी हैं। यह कहानी कैरी की है, जो महत्वाकांक्षी और जिंदादिल युवती है। जो कम उम्र से ही अपने तीन छोटे भाई-बहनों की जिम्मेदारी संभालती है और वह आत्मनिर्भर और अपने सिद्धांतों पर अडिग है। वह वकील बनने की राह पर है। वहीं, इस शो में अभिनेता शब्बीर अहलूवालिया युग नाम के लड़के का किरदार निभा रहे हैं। वह पेशे से वकील है, लेकिन अतीत में हुए दर्दनाक हादसों के कारण वह महिलाओं को शक की निगाहों से देखता है। आशी सिंह ने हबीब फैसल द्वारा निर्देशित 2017 की फिल्म कैदी बैंड में जेलर की बेटी की भूमिका अदा की थी। इसमें मुख्य भूमिका में आदर जैन और अन्या सिंह थे। 2017 से 2019 तक, उन्होंने रणदीप राय के साथ ये उन दिनों की बात है में नैना अग्रवाल की मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद अभिनेत्री ने अलादीन - नाम तो सुना होगा में यास्मीन के किरदार में नजर आई थी। आशी सिंह टीवी सीरियल मीत- बदलेगी दुनिया की रीत में अभिनेता शगुन पांडे के साथ मीत हुड्डा के रूप में नजर आईं। आशी ने फर्स्ट कॉपी के साथ अपना ओटीटी डेब्यू भी किया है, जहां उन्होंने मुनव्वर फारुकी के साथ आफरीन का किरदार निभाया है।

टेलीविजन अभिनेत्री आशी सिंह ने अपने अभिनय की शुरुआत सीक्रेट डायरिज: द हिडन चैप्टर्स से की थी, अभिनेत्री ने बताया कि मनोरंजन जगत में बने रहने के लिए लोगों के साथ कनेक्ट होना बहुत जरूरी है।

पंकज त्रिपाठी ने बताया फिल्मों के न चलने का कारण

अभिनेता पंकज त्रिपाठी की गिनती इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकारों में होती है। हाल ही में आई अनुराग बसु की 'मेट्रो इन दिनों' में एक बार फिर उन्होंने अपने अभिनय से सबको प्रभावित किया था। 'मेट्रो इन दिनों' अच्छे रिव्यू के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। अब अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के लिए महंगे टिकट प्राइस को जिम्मेदार ठहराया है। बातचीत में पंकज त्रिपाठी ने दर्शकों के सिनेमाघरों में न पहुंचने पर प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता ने कहा कि इस मामले में टिकट की कीमतें एक मुद्दा हैं और उसकी भी एक भूमिका है। अगर आज किसी परिवार को थिएटर जाना पड़े, तो यह बहुत महंगा सौदा है। टिकट की कीमतें और वहां परोसा जाने वाला खाना बहुत महंगा है। हालांकि, ये बिजनेस का खेल मेरी समझ से बाहर है। लेकिन हां, मुझे लगता है कि फिल्म के टिकट बहुत महंगे हैं और यह निश्चित रूप से एक बाधा है। पंकज त्रिपाठी ने आगे कहा कि सिर्फ मंगलवार या नेशनल सिनेमा डे पर जब टिकट की कीमतें कम होती हैं, तो सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या बढ़ जाती है। इसलिए अगर टिकट की कीमतें सही होंगी, तो दर्शकों की संख्या निश्चित रूप से बढ़ेगी। एक परिवार के लिए 2 हजार रुपए खर्च करके और पांच घंटे का समय निकालना, जिसमें आना-जाना भी शामिल है। ये आसान बात नहीं है। 2 हजार कोई बहुत छोटी रकम नहीं है। वर्क फ्रंट की बात करें तो पंकज त्रिपाठी हाल ही में 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आए थे।

डेजी शाह को लेकर खबर आ रही थी कि वो सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले शो बिग बॉस 19 में हिस्सा लेंगी, लेकिन उन्होंने अब इन खबरों को लेकर अपना रिएक्शन दिया है। मालूम हो कि डेजी ने सलमान की जय हो में काम किया है।

मैं बिग बॉस कभी नहीं करने वाली... डेजी शाह ने अटकलों पर लगाया फुल स्टॉप

बॉलीवुड की एक्ट्रेस डेजी शाह क्या सलमान खान के शो बिग बॉस 19 में नजर आएंगी? पिछले कई दिनों से ऐसी खबरें सामने आ रही थी कि वो इस रिएलिटी शो का हिस्सा बनने वाली हैं, लेकिन अब जय हो फिल्म की एक्ट्रेस ने इन खबरों को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। डेजी शाह ने बिग बॉस 19 में शामिल होने की अटकलों पर विराम लगाते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, सभ अफवाहों पर विराम लगाते हुए। मैं बिग बॉस नहीं कर रही हूं। शायद कभी नहीं करूंगी। धन्यवाद। मालूम हो कि डेजी शाह के फैन अकाउंट्स तो ये भी अनुमान लगा रहे थे कि वो पहले से ही निर्माताओं से बातचीत कर रही हैं। हालांकि, अब उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि उनका ऐसा कोई इरादा नहीं है।

आलिया को मिली खुशखबरी!

एशियन प्रोजेक्ट मार्केट के लिए चुनी गई फिल्म डिफिकल्ट डॉटर्स

आलिया भट्ट इन दिनों सुर्खियों में हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म डिफिकल्ट डॉटर्स बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (बीआईएफएफ) के लिए चुनी गई है। डेडलाइन के मुताबिक यह फिल्म उन 30 फिल्मों में से एक है जो एशियन प्रोजेक्ट मार्केट (एपीएम) के लिए चुनी गई है। फिल्म का निर्देशन आलिया की मां सोनी राजदान ने किया है। इसकी निर्माता आलिया भट्ट, उनकी बहन शाहीन भट्ट और एलन एमसीएलेक्स हैं। डिफिकल्ट डॉटर्स एशिया भर से चुनिंदा फिल्मों में से एक है, जिसे एपीएम में प्रदर्शित किया जाएगा। इस प्रोग्राम में फिल्म निर्माता अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों और सह-निर्माताओं से जुड़ेंगे। डेडलाइन के अनुसार, इस सूची में एक और प्रोजेक्ट द लास्ट ऑफ देम प्लेग्स है। इसका निर्देशन कुंजिला ने किया है और इसका निर्माण अभिनेत्री कनी कुसरुति और पायल कपाड़िया ने किया है।

मिट्टी में मेरा किरदार राघव बिल्कुल मेरे जैसा है: इश्वाक सिंह

एक्टर इश्वाक सिंह इन दिनों वेब सीरीज मिट्टी में राघव का किरदार निभाने को लेकर चर्चाओं में हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें असल जिंदगी और शो में अपने किरदार की कहानी के बीच कुछ समानताएं महसूस होती हैं। जब इश्वाक सिंह से पूछा गया कि राघव का किरदार उनके लिए इतना खास क्यों है, तो उन्होंने कहा कि राघव की कहानी में कई बातें ऐसी थीं, जो उन्हें अपनी जिंदगी से मिलती-जुलती लगीं। सबसे पहली और अहम बात जो उन्हें राघव से जोड़ती है, वो है उनका अपने गांव और परिवार से गहरा जुड़ाव। इश्वाक ने कहा, आज हममें से कई लोग अपने काम, पढ़ाई या सपनों को पूरा करने के लिए अपने शहर या गांव से दूर रहते हैं। लेकिन, जिंदगी हमें कहीं भी ले जाए, हमारे अंदर हमेशा उस जगह की याद बनी रहती है, जहां हम पले-बढ़े हैं। मैं भी कई बार शहर बदल चुका हूं, नए घरों में रहा हूं, और अब अपने परिवार से दूर रहता हूं, जो दिल्ली में हैं। मेरे किरदार में जो परिवार से गहरे जुड़ाव की भावना है, वो मेरे असल जिंदगी में भी है। उन्होंने शो के बारे में कहा, जब मैंने मिट्टी की कहानी पढ़ी, तो यह मेरे दिल को छू गई। ऐसी कहानियां बहुत कम मिलती हैं, जो व्यक्तिगत भी हों और सबके लिए मायने भी रखें। इस शो का मुख्य किरदार राघव अपनी सफलता की तलाश में अपने पुराने रिश्तों को भूल जाता है। बाद में जब वह परिवार वालों से मिलने लौटता है, तो वही जुड़ाव उसे असली सुकून और इलाज देता है। मिट्टी की कहानी इंसान और उसके गांव के बीच खास रिश्ते पर आधारित है। सीरीज की कहानी राघव के इर्द-गिर्द घूमती है। वह एक बड़े शहर में काम करने वाला सफल एडवरटाइजिंग एग्जीक्यूटिव है। शो में दिलचस्प मोड़ तब आता है, जब वह अपने दादाजी के लिए गांव लौटता है। इसमें इश्वाक सिंह के अलावा श्रुति शर्मा, दीक्षा जुनेजा, योगेंद्र टिकू और अलका अमीन समेत अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।